शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 158 | गुवाहाटी | सोमवार, 6 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत के जन और पर्यावरण की सेवा ही भारत माता का वास्तविक पूजन : भागवत — पेज 2
कांग्रेस ने सीएम को चुनौती दी कि वे प्रति व्यक्ति आय में पूर्वोत्तर के पड़ोसियों ... — पेज 3
कांग्रेस के कारण 5-7 लाख लड़कियां ने छोड़ी पढ़ाई : शिक्षा मंत्री — पेज 5
आप अपने शरीर से नहीं लड़ सकते, सिडनी टेस्ट में हार के बाद निराश बुमराह... — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समय का ज्ञान ना रखने वाले राजा का कर्म समय के द्वारा ही नष्ट हो जाता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

पुरी में जगन्नाथ मंदिर के ऊपर दिखा संदिग्ध ड्रोन, हड़कंप

पुरी। रविवार की सुबह पुरी में स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के ऊपर ड्रोन देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया। ड्रोन को सुबह करीब 4:10 बजे मंदिर के ऊपर देखा गया और यह करीब आधे घंटे तक मंदिर के ऊपर मंडराता रहा। इससे मंदिर की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल पैदा हो गए। गौरतलब है कि जगन्नाथ मंदिर और इसके -शेष पृष्ठ दो पर

एडवांटेज असम 2.0

सीएम ने मुंबई में उद्योग जगत के शीर्ष लोगों से मुलाकात की

गुवाहाटी / मुंबई। असम सरकार के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज टाटा कंपनीज के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन से मुलाकात की और आगामी एडवांटेज असम 2.0 से संबंधित मुद्दों और निवेशकों और उद्यमियों के लिए असम की समृद्ध संभावनाओं पर उनसे बातचीत की। निवेश के केंद्र के रूप में असम की संभावनाओं को प्रस्तुत करते हुए, डॉ. शर्मा ने टाटा समूह के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की, जिनमें टाटा कंज्यूमर के सीईओ सुनील डिसूजा, टाटा पावर के सीईओ डॉ. प्रवीर सिन्हा, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ डॉ. रणधीर ठाकुर, आईएचसीएल की ईवीपी सुमा वेंकटेश, टाटा संस की सीनियर वीपी सुचारिता चौधरी और टीएसएमजी के प्रिंसिपल राजामयूर शर्मा शामिल थे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मुख्य सचिव डॉ रवि कोटा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव -शेष पृष्ठ दो पर

बिहू के बाद विश्व रिकॉर्ड के लिए तैयार झुमुर नृत्य

गुवाहाटी (हि.स.)। बिहू के बाद असम सरकार झुमुर नृत्य के माध्यम से विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार है। 24 फरवरी को गुवाहाटी के सरूसजाई स्टेडियम में एक साथ सात हजार झुमुर नृत्य कलाकार इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। इस आयोजन की तैयारी के लिए मुख्य सचिव रवि कोटा ने जिला आयुक्तों को कदम उठाने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव ने महिला कलाकारों की सुरक्षा, उनके परिधानों, चिकित्सा सुविधा और आवास सहित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ ही जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से प्रशिक्षण देने का भी आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि झुमुर -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम-म्यांमार के स्थानीय लोग अब बिना पास के सीमा पार नहीं कर पाएंगे

गुवाहाटी। 510 किलोमीटर लंबी मिजोरम-म्यांमार सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए, बिना बाड़ वाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले निवासियों को अब एक-दूसरे से मिलने के लिए सीमा पास की आवश्यकता होगी। केंद्र द्वारा जारी निर्देश का उद्देश्य सीमा पार आवागमन की निगरानी और विनियमन को बढ़ाना है और इसे 31 दिसंबर से लागू कर दिया गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) के दिशा-निर्देशों के तहत शुरू की गई नई सीमा पास पहल, राज्य पुलिस, असम राइफल्स और स्वास्थ्य अधिकारियों सहित सीमा की सुरक्षा करने वाली सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी की जाएगी। यह योजना मिजोरम के छह जिलों – चंफाई, सियाहा, लांग्टलाई, हनाथियाल, -शेष पृष्ठ दो पर

अब अविवाहित जोड़े नहीं ले सकेंगे ओयो में कमरा

नई दिल्ली। यात्रा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओयो ने मेरठ से शुरुआत करते हुए भागीदार होटलों के लिए एक नई *चेक-इन* नीति लागू की है। इसके अनुसार, अविवाहित जोड़ों का अब चेक-इन की अनुमति नहीं दी जाएगी। यानी सिर्फ पति-पत्नी ही होटल में कमरा ले सकेंगे। संशोधित नीति के तहत, सभी जोड़ों को चेक-इन के समय अपने रिश्ते का वैध प्रमाण देने के लिए कहा जाएगा। इसमें -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ की जमीन पर हो रहा महाकुंभ

मौलाना रजवी के दावों पर भड़के साधु-संत

प्रयागराज। महाकुंभ धर्म, आस्था, संस्कार और परंपरा का प्रतीक है। पूरे 12 साल के बाद संगम नगरी प्रयागराज में लगने जा रहे महाकुंभ को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। इस बीच ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने शनिवार को विवादास्पद बयान देकर बवाल खड़ा कर दिया है। मौलाना रजवी ने दावा किया है कि महाकुंभ मेला का जहां आयोजन हो रहा है वह जमीन वक्फ बोर्ड की है। वहीं, इस पर साधु संतों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

नमो भारत कॉरिडोर का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

अब 40 मिनट में होगा दिल्ली से मेरठ तक का सफर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन किया। 4,600 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से निर्मित यह परियोजना क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो दिल्ली को पहली बार नमो भारत कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। यह उच्च गति वाली, विश्वसनीय और आरामदायक रेल सेवा लाखों लोगों के लिए यात्रा को आसान बनाएगी, जिससे यात्रियों को दिल्ली और मेरठ के बीच सामान्य यात्रा समय का एक तिहाई, यानी 40 मिनट से भी कम समय बचेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने नमो भारत ट्रेन में यात्रा के दौरान स्मार्ट टिकट खरीदा और यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने स्कूली बच्चों से बातचीत की जिन्होंने रेखाचित्र प्रस्तुत किए और कविताएं सुनाईं। एक छात्र ने *नव भारत* शीर्षक से एक कविता सुनाई, जिसकी प्रधानमंत्री ने सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रेन नेटवर्क की निर्माण प्रक्रिया को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी देखी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) की ओर से उन्हें नमो भारत ट्रेन का एक मॉडल भेंट किया गया। ट्रेन में आधुनिक सुविधाएं हैं, जिनमें फोन चार्जिंग पॉइंट, लगेज रखने की जगह, महिलाओं के लिए अलग कोच और प्रीमियम कोच शामिल हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

गलती से किया था गठबंधन : नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने विपक्षी दल के साथ गलती से गठबंधन किया था। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख कुमार की इस टिप्पणी से पहले पूर्व मुख्यमंत्री प्रसाद ने दावा किया था कि राजद ने पूर्व सहयोगी के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं, जो फिलहाल भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में हैं। राज्यव्यापी प्रगति यात्रा के तहत उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में पत्रकारों से बात करते हुए कुमार ने कहा कि जो लोग हमसे पहले सत्ता में थे... क्या उन्होंने कुछ किया ? लोग सूर्यास्त के बाद अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। मैं गलती से कुछ बार उनके साथ जुड़ गया था। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

परिवर्तन रैली में पीएम का आप पर बड़ा हमला, कहा-

आप-दा नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे...

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के रोहिणी में भाजपा परिवर्तन रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर अपना *आप-दा* आरोप दोहराया। इसी के साथ पीएम मोदी ने दिल्ली सरकार पर पिछले 10 सालों में राष्ट्रीय राजधानी के विकास को पटरी से उतारने का भी आरोप लगाया। पीएम ने दिल्ली की जनता से आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को मौका देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं दिल्लीवासियों से एक विशेष अनुरोध करना चाहता हूं। दिल्ली और आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मैं आपसे अनुरोध करने आया हूं कि आप भाजपा को एक अवसर प्रदान करें। सिर्फ भाजपा दिल्ली का विकास कर सकती है। आम आदमी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए पीएम ने कहा कि बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है, वो किसी आप-दा से कम नहीं है। यह एहसास आज दिल्ली वालों को अच्छे -शेष पृष्ठ दो पर

पोरबंदर के एयर एन्क्लेव में हेलीकॉप्टर ध्रुव क्रैश, तीन की मौत

नई दिल्ली (हि.स.)। गुजरात के पोरबंदर में रविवार को भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने की संभावना जताई गई है, इसलिए कोस्ट गार्ड ने जांच के आदेश दिए हैं। दो महीने पहले भी -शेष पृष्ठ दो पर

आरएसएस की तर्ज पर काडर विकसित कर रही कांग्रेस

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में अपने को मजबूत करने के लिए कांग्रेस आरएसएस की तर्ज पर अपने कॉडर विकसित करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पूरे राज्य से युवाओं को लाकर उन्हें विशेष कैंपों में रखकर दिन-रात्रि के प्रवास कार्यक्रम में *कांग्रेसियत* की ट्रेनिंग दी जा रही है। अपने कार्यकर्ताओं को इस तरह की ट्रेनिंग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिया करता है, लेकिन अब कांग्रेस भी उसी मॉडल पर अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि इस ट्रेनिंग से 2027 के यूपी चुनाव को लेकर एक बेहतर टीम विकसित की जा सकेगी। आज पांच जनवरी को लखनऊ के चंद्रिका देवी मंदिर के पास एक रिजॉर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

जहांगीरपुर होगा जगदीशपुर, गजनीखेड़ी कहलाएगा चामुंडा महानगरी : सीएम

उज्जैन (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को बड़नगर में बड़ी घोषणा करते हुए तीन गांवों के नाम बदलने का एलान किया है। उन्होंने कहा है कि अब गजनीखेड़ी गांव का नाम होगा चामुंडा महानगरी, ग्राम मौलाना का विक्रम नगर और जहांगीरपुर गांव का नाम जगदीशपुर होगा। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़नगर के गजनीखेड़ा में 40 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित सीएम राइज स्कूल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने एलान किया कि स्कूल पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश ने दिखाई सेना की ताकत, मोहम्मद यूनुस ने कहा- युद्ध के लिए रहें तैयार

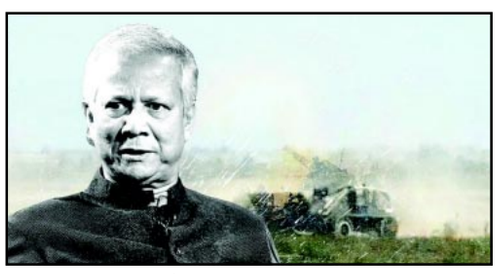

ढाका। बांग्लादेश के चटगांव में टैंक, कॉप्टर, तोपों से युद्ध अभ्यास चल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अभ्यास के पीछे दरअसल मोहम्मद यूनुस अपनी सैन्य ताकत दिखा रहे हैं। सैन्य अभ्यास के बीच मोहम्मद युनूस ने बांग्लादेश की सेना को युद्ध के लिए तैयार रहने के लिए कहा है। इस अवसर पर बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान और नौसेना बल के प्रमुख एडमिरल एम नजमुल हसन मौजूद थे। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार ने कहा कि सेना हमेशा तैयार है। राजबाड़ी सैन्य प्रशिक्षण -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेशी जज ट्रेनिंग के लिए भारत नहीं जाएंगे

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत में आयोजित होने वाली न्यायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को रद्द कर दिया है। यह निर्णय बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत लिया गया। इसके तहत 50 बांग्लादेशी जजों को मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी और राज्य न्यायिक -शेष पृष्ठ दो पर

टुकड़े-टुकड़े होगा पाकिस्तान

पीओके में विरोध प्रदर्शन तेज करगिल तक मार्च का एलान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान की सरकार बेरोजगारी, भुखमरी दूर करने में विफल रही है। इस कारण वहां हर दिन प्रदर्शन हो रहे हैं, लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। छोटी छोटी चीजों के लिए तरस रहे हैं। बीते कुछ दिनों से गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में बिजली और बुनियादी सुविधाओं की बहाली की मांग को लेकर नागरिक भीषण ठंड के बीच लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने घोषणा की है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत के जन और पर्यावरण की सेवा ही भारत माता का वास्तविक पूजन : भागवत

खंडवा/ओंकारेश्वर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने ओंकारेश्वर में आयोजित तीन दिवसीय कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक के अंतिम दिन रविवार को भारत माता पूजन के महत्व और उद्देश्य को प्रतिपादित करते हुए कहा कि भारत भूमि हमारा पालन-पोषण, संरक्षण और संवर्धन करती है। भारत भूमि में जन्म लेने वाले प्रत्येक जन में सेवा का स्वाभाविक संस्कार है। भारत माता का पूजन मतलब भारत में रहने वाले जन, जमीन, जंगल, जल और जानवरों की सेवा और सुरक्षा करना है। पर्यावरण, जैव विविधता का संरक्षण और संवर्धन भारत माता पूजन से मिलने वाली प्रेरणा है। कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक के अंतिम दिन का प्रारंभ रविवार को सुबह ओंकारेश्वर स्थित नर्मदा किनारे मार्कण्डेय आश्रम पर भारत माता पूजन से हुआ। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भारत माता और आदि शंकाराचार्य का पूजन किया। पवित्र नर्मदा किनारे मार्कण्डेय आश्रम में नर्मदा आरती के पश्चात भारत माता पूजन में सरसंघचालक डॉ. भागवत ने एकांत में अध्यात्म साधना और लोकान्त में समाज सेवा का आह्वान किया। उन्होंने गृहस्थ आश्रम को धर्म की धुरी बताते हुए कहा कि जो जिस भी स्थित में है, उसे समाज की सेवा के लिये तत्पर रहना चाहिए। जिस प्रकार गरुड़ ने माता की सेवा से देवता का वाहन बनने का आशीर्वाद पाया, उसी प्रकार हम भी भारत माता की सेवा के आशीर्वाद से धर्म के वाहक बनने में समर्थ हों। कुटुंब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक में समर्थ कुटुंब व्यवस्था को लेकर विभिन्न प्रकार के विषयों पर चर्चा की गई, जिसके अंतर्गत बताया गया कि सृष्टि की सबसे अनुपम रचनाओं में एक भारतीय परिवार की रचना है। भारतीय परिवारों को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्य कुटुंब प्रबोधन गतिविधि द्वारा किए जाते हैं। कुटुंब मित्रों का परिवारों में आना जाना, परिवारों से सकारात्मक चर्चा करना, ऐसे कई अलग-अलग क्रियाकलापों द्वारा कुटुंब व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने का काम किया जाता है। कुटुंब प्रबोधन गतिविधि द्वारा परिवार को मजबूत बनाए रखने के लिये छह प्रकार के *भ* पर काम करने के लिए बताया गया कि भोजन, भजन, भाषा, भूषा, भ्रमण और भवन, इन सभी बातों को लेकर प्रत्येक परिवार को काम करना होगा। साथ ही साथ वर्तमान समय में बच्चों में जो विकृति दिखाई देती है, उसका सबसे बड़ा कारण मोबाइल का बड़ी मात्रा में उपयोग ध्यान में आता है। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार में आपसी संवाद बढ़ाने की आवश्यकता है, जिससे घर के बच्चे अपने मन की बात बोल सकेंगे और निश्चित ही परिवार के वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी *ब्रांड भारत* के सबसे बड़े एंबेसडर : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काजीरंगा में रात्रि प्रवास करने और लोगों से यहां आने की अपील करने के बाद काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की संख्या में ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज हुई है। रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी *ब्रांड भारत* के सबसे बड़े एंबेसडर बनकर उभरे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों में काजीरंगा में 1.6 लाख पर्यटक पहुंचे, जो बीते 20 वर्षों में सबसे अधिक हैं।

कार्बी आंग्लांग के विभिन्न गांवों में *रंगकेर पूजा* का आयोजन

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी जनजाति के लोगों की एक महत्वपूर्ण पारंपरिक पूजा *रंगकेर कारकली* या *रंगकेर पूजा* इस वर्ष भी रविवार को कार्बी आंग्लांग के विभिन्न गांवों में बड़े धूमधाम के साथ आयोजित की गई। यह पूजा मुख्य रूप से कृषि प्रधान कार्बी समाज द्वारा विभिन्न बीमारियों, आपदाओं, बुरे समय और बुरी नजरों से बचाव के लिए की जाती है। हर साल की तरह इस साल भी पश्चिम कार्बी आंग्लांग के खेरोनी के विभिन्न गांवों में पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ रंगकेर पूजा का आयोजन किया गया।

सुखचर पुलिस ने ड्रग्स के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा-मानकाचर (हिंस)। दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले की सुखचर पुलिस को नशा विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। टाकीमारी में चलाए गए अभियान के तहत पुलिस ने 929 ट्रामाडोल टैबलेट (667.42 ग्राम), 149 नाइट्राजेपाम कैप्सूल (107.40 ग्राम), एक स्मार्टफोन, 1750 रुपए नकद और कुछ पहचान पत्र बरामद किए। सुखचर पुलिस ने आज बताया है कि इस कार्रवाई में एक आरोपित को भी गिरफ्तार किया है। मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है। राज्य में इन दिनों ड्रग्स के विरूद्ध व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। प्रतिदिन बड़ी मात्रा में ड्रग्स की बरामदगी के साथ ही तस्करों को भी पकड़ा जा रहा है।

नारायणपुर रमंती चारआली में आगजनी

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले के नारायणपुर स्थित रमंती चारआली में शनिवार रात करीब 12 बजे भयावह आग लग गई। इस हादसे में छह दुकानें जलकर राख हो गईं। बताया जा रहा है कि बिजली के तार और एक पेड़ की पत्तियों में शॉर्ट सर्किट के कारण यह घटना हुई। आग लगने के बाद कोई सामान बचाया नहीं जा सका।

पथरूघाट के शहीद किसानों के सम्मान में डाक टिकट जारी होगा : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। असम का पथरूघाट, जहां 140 से अधिक किसानों ने न्याय के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए थे, को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल रही है। 28 जनवरी को भारत सरकार उनके बलिदान को स्मरण करते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी करेगी। यह निर्णय पथरूघाट विद्रोह की ऐतिहासिक घटना और ब्रिटिश शासन के खिलाफ किसानों के साहस को सम्मानित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के इस ऐतिहासिक कदम के लिए आभार व्यक्त करते हैं।

नाबालिग लड़कियों के अपहरण के मामले में नौ गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। 29 दिसंबर को तिनसुकिया थाने में दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई थी। तेज कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मानव तस्करी गिरोह के नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ितिओं को अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर और नाहरलागुन से सुरक्षित बचाया गया है। इस सिलसिले में पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया शुरू की है।

सिंधु लिपि को समझाने वाले को मिलेगा 10 लाख डॉलर : स्टालिन

नई दिल्ली (हि.स.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को सिंधु घाटी की लिपि एक सदी से भी अधिक समय से एक अनसुलझी पहेली को सुलझाने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर का देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने यह घोषणा आज तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में की। यह सम्मेलन सिंधु घाटी सभ्यता की खोज की शताब्दी के अवसर पर आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि हम अभी भी सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि को स्पष्ट रूप से समझने में असमर्थ हैं। वह सभ्यता, जो कभी भारत में फली-फूली थी। उन्होंने कहा कि इस पहेली को सुलझाने के लिए विद्वान आज भी प्रयास कर रहे हैं और ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए वे व्यक्तियों या संगठनों को 10 अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार देंगे।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने मुंबई ...

डॉ केके द्विवेदी, उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम सचिव डॉ लक्ष्मण एस. का प्रतिनिधिमंडल 25 और 26 फरवरी को होने वाले निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन एडवांटेज असम 2.0 के संबंध में रोड शो के लिए मुंबई के तीन दिवसीय दौरे पर है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने बुनियादी ढांचे, हरित ऊर्जा, चाय, इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्धचालक, कौशल पहल आदि में असम की अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के विभिन्न तरीके प्रस्तुत किए। टाटा समूह के साथ बैठक के बाद सन फार्मा के कार्यकारी निदेशक श्री आलोक सांघवी और संचालन के वैश्विक प्रमुख राहुल अवस्थी के साथ एक और बैठक हुई। बैठक में असम के उल्लेखनीय आर्थिक विकास पर प्रकाश डाला गया, जिसमें वित्त वर्ष 2024 में 19.1 प्रतिशत जीएसडीपी वृद्धि शामिल है मुंबई यात्रा के दौरान, डॉ. शर्मा लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा ग्रुप और अदानी एयरपोर्ट्स जैसे प्रमुख समूहों के प्रमुख उद्योगपतियों और व्यापार जगत के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, लक्ष्मी टी, वेलस्पन ग्रुप, टाटा ट्रस्ट्स, डीएमएआरटी, पीरामल ग्रुप और अन्य संगठनों के नेताओं का ध्यान असम में रणनीतिक निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए आकर्षित करेंगे। डॉ. शर्मा ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य प्रसंस्करण, हाइड्रोकार्बन आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अवसरों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने असम की निवेश-समर्थक नीतियों, रणनीतिक भौगोलिक स्थिति और मजबूत बुनियादी ढांचे के बारे में उद्योग जगत के खिलाड़ियों का ध्यान आकर्षित किया, जिसने इसे व्यवसायों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना दिया।

बिहू के बाद ...

नृत्य का रिकॉर्ड गिनीज बुक में दर्ज करने के लिए नृत्य कलाकारों का चयन जिला स्तर पर आयोजित कार्यशालाओं से किया जाएगा। 20 फरवरी से पहले ये कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी और इसके बाद मुख्य आयोजन सरूसजाई स्टेडियम में होगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि सात हजार झुमुर नृत्य कलाकारों के इस आयोजन में सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह से की जाएंगी। 12 हजार नृत्य कलाकारों द्वारा बिहू नृत्य के रिकॉर्ड के बाद अब झुमुर नृत्य से रिकॉर्ड बनाने के इस आयोजन में चाय-बगानों से भी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है।

मिजोरम-म्यांमार के ...

सैतुअल और सेरछिप - को प्रभावित करती है, जो म्यांमार के चिन राज्य के साथ सीमा साझा करते हैं। चंफाई जिला पुलिस द्वारा हाल ही में जारी एक सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि भारत और म्यांमार के बीच सीमा पार यात्रा करने के इच्छुक व्यक्तियों को अब सीमा पास प्राप्त करना होगा, जो केवल सात दिनों के लिए वैध रहेगा। पास के लिए आवेदन करने हेतु निवासियों को सीमा के 10 किमी के दायरे में निवास का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। ऐसा प्रमाण स्थानीय पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी, ग्राम प्रधान या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त ग्राम प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है तथा यह एक वर्ष तक वैध रहता है। उल्लेखनीय बात यह है कि सीमा पास केवल सात दिनों के लिए वैध होता है, तथा इसे उसी क्रॉसिंग पॉइंट पर वापस करना होता है जहां से इसे जारी किया गया था। इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए जोखावथर और ह्राहलान स्थित क्रॉसिंग प्वाइंट सोमवार से शनिवार तक प्रात: 6:00 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक चालू रहेंगे। प्रत्येक पास प्रत्येक आवेदन के लिए एक वयस्क को जारी किया जाएगा। नाबालिगों के लिए, माता-पिता को उनके साथ जाना होगा और एक माता-पिता को जारी किए गए एकल पास पर अधिकतम तीन बच्चों का विवरण शामिल किया जा सकता है। यदि किसी अभिभावक को तीन से अधिक बच्चों को साथ लाने की आवश्यकता होगी तो उन्हें अतिरिक्त पास जारी किया जाएगा।

मौलाना रजवी के ...

पुरी महाराज ने रजवी के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मौलाना का दिमाग खराब हो चुका है। यही वजह है कि वो इस तरह की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस जमीन पर महाकुंभ का आयोजन होता है वो गंगा यमुना का क्षेत्र है। यहां किसी का कोई अधिकार नहीं है। वही मौलाना के इस बयान पर कुछ संतों ने पलटवार करते हुए उनके पैगंबर साहब पर ही सवाल खड़े कर दिए है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने अपने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट में इस तरह का विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की जहां तैयारियां की जा रही है वो 55 जमीन विघह वक्फ की है। मुसलमानो ने बड़ा दिल दिखाते हुए कोई आपत्ती नहीं की मगर दूसरी तरफ अखाड़ा परिषद और दूसरे बाबा लोग मुसलमानो के प्रवेश पर पाबंदी लगा रहे है। ये तंग नजरी छोड़नी होगी, मुसलमानो की तरह बड़ा दिल दिखाना होगा। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि महाकुंभ में बड़ी संख्या में मुसलमानों का धर्मांतरण भी कराया जा रहा है। साथ ही उनका कहना है कि महाकुंभ क्षेत्र में मुसलमानो के दुकान और स्टॉल लगाने की भी मनाही की गई है। यह पूरी तरह से गलत है। जैसा वक्फ अपनी जमीन को लेकर कोई आपत्ति नहीं कर रहा वहीं, उन्हें इसे मुसलमानो को भी मेला क्षेत्र में दुकान लगाने देनी चाहिए। वहीं, इसपर साधु संतों ने नाराजगी व्यक्त की है। महाकुंभ में धर्मांतरण को लेकर मौलाना रजवी के बयान पर साधु संतों ने पलटवार किया है। महाकुंभ में आए साधु संतों का कहना है कि मौलाना के पास इस बात को लेकर कोई सबूत नहीं है कि मुसलमानों का धर्मांतरण कराया जा रहा है।

नमो भारत कॉरिडोर ...

नई दिल्ली से मेरठ तक का किराया 150 रुपए रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के तहत जनकपुरी से कृष्णा पार्क तक के 2.8 किलोमीटर लंबे सेक्शन का उद्घाटन किया। इस परियोजना की लागत 1200 करोड़ रुपए है। यह मेट्रो लाइन पश्चिमी दिल्ली के महत्वपूर्ण इलाकों जैसे कृष्णा पार्क, विकासपुरी और जनकपुरी को जोड़ने का काम करेगी, जिससे यहां के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने रिठाला से कुंडली तक 26.5 किलोमीटर लंबे नए कॉरिडोर का शिलान्यास किया। इस परियोजना की लागत लगभग 6,230 करोड़ रुपए है। यह कॉरिडोर रिठाला (दिल्ली) को नाथूपुर (कुंडली, हरियाणा) से जोड़ेगा और इससे दिल्ली के उत्तर-पश्चिम इलाके जैसे रोहिणी, बवाना, नरेला और हरियाणा के कुंडली क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली के रोहिणी में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) के नए अत्याधुनिक भवन का शिलान्यास भी किया। इस भवन की लागत करीब 185 करोड़ रुपए है। यह नया परिसर आयुर्वेद और स्वास्थ्य क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। यहां प्रशासनिक ब्लॉक, ओपीडी (आउटपेशेंट डिपार्टमेंट) ब्लॉक, आईपीडी (इनपेशेंट डिपार्टमेंट) ब्लॉक और एक विशेष उपचार ब्लॉक होगा। इससे दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। इन सभी परियोजनाओं का उद्देश्य दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाना है, जिससे यहां के नागरिकों को अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

आप-दा नहीं ...

से हो चुका है। इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है- आप-दा नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि दिल्ली विधानसभा में भी कमल खिलने वाला है। ये भाजपा ही है, जो दिल्ली को, दुनिया की बेहतरीन राजधानी का गौरव दिला सकती है। उन्होंने आगे कहा कि जिस आप-दा सरकार के पास दिल्ली के लिए कोई विजन न हो, जिसे दिल्ली की परवाह न हो, वह दिल्ली का विकास नहीं कर सकती है। दिल्ली को आधुनिक बनाने के लिए जितने भी काम हैं वो केंद्र की भाजपा सरकार ही कर रही है। अपनी पार्टी की उपलब्धियां गिनवाते हुए पीएम ने कहा कि जैसे दिल्ली मेट्रो चप्पे-चप्पे तक पहुंची, तो ये काम भाजपा की केंद्र सरकार ने किया है। बीते एक दशक में दिल्ली-एनसीआर में मेटो नेटवर्क दोगुने से भी अधिक हो चुके हैं। आज जनकपुरी और कृष्णा पार्क के लिए भी मेट्रो शुरू हो चुकी है। ये जो नमो रेल प्रोजेक्ट है ये भी केंद्र सरकार बना रही है। शीशमहल विवाद को उठाते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली पर आप-दा लाने वाले ये झूठा आरोप लगाते हैं कि केंद्र सरकार उन्हें काम नहीं करने देती...केंद्र सरकार उन्हें पैसे नहीं देती। ये कितने बड़े झूठे हैं। इसका उदाहरण इनका शीशमहल है। आज ही एक बड़े अखबार ने कैग रिपोर्ट के आधार पर शीश महल पर हुए खर्च का खुलासा किया है। पीएम ने आगे कहा कि जब दिल्ली के लोग कोरोनो से जूझ रहे थे, जब दिल्ली के लोग ऑक्सीजन और दवाओं के लिए भटक रहे थे। तब इन लोगों का पूरा फोकस अपना शीश महल बनवाने पर था। इन्होंने शीश महल का भारी भरकम बजट बनाया। यही इनकी सच्चाई है। इन्हें दिल्ली के लोगों का कोई परवाह नहीं है। इसलिए आज हर दिल्लीवासी कह रहे हैं, आप-दा नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे। अंत में पीएम ने कहा कि आप-दा वालों के काम का कोई हिसाब नहीं है, लेकिन इनके कारनामे बेहिसाब हैं। ये तब होता है जब नीयत में खोट होता है और जनता के प्रति निष्ठा नहीं होती है। ये आप-दा वाले दिल्ली चुनाव में अपनी हार सामने देखकर बौखला गए हैं, झूठ फैला रहे हैं।

पोरबंदर के एयर ...

अरब सागर में क्रैश हुए ध्रुव हेलीकॉप्टर की जांच इंडियन कोस्ट गार्ड की टीम कर रही है। भारतीय तटरक्षक बल के कमांडर अमित उनियाल ने इस घटना में तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि यह दुर्घटना रविवार सुबह पोरबंदर के कोस्ट गार्ड एयर एन्क्लेव में हुई है। क्रैश के दौरान घायल हुए दो लोगों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया, जबकि हेलीकॉप्टर से कूदने वाले व्यक्ति की भी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। इसी दौरान कुछ तकनीकी खराबी आने से गुजरात के पोरबंदर कोस्ट गार्ड एयरपोर्ट पर लैंडिंग के समय हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। कोस्ट गार्ड के पास 16 एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर हैं, जिन्हें बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने डिजाइन और निर्मित किया है। तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर दो महीने पहले भी अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। आईसीजी के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव के लापता पायलट इन कमांड का पार्थिव शरीर पोरबंदर से लगभग 55 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में समुद्र से बरामद किया गया था। दुर्घटना के दूसरे दिन ही हेलीकॉप्टर का मलबा मिलने के साथ चालक दल के दो सदस्यों के पार्थिव शरीर समुद्र से बरामद किए गए थे। इसके बाद आईसीजी ने अपने एएलएच ध्रुव बेड़े की सुरक्षा जांच के आदेश दिए थे, जिसमें उड़ान नियंत्रण और ट्रांसमिशन सिस्टम पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके साथ ही घटना की गहन जांच होने तक मल्टी मिशन हेलीकॉप्टरों की उ?ानों पर रोक लगा दी गई थी। गुजरात के पोरबंदर में आज यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने दो माह पूर्व हुई दुर्घटना के बाद एएलएच ध्रुव फ्लीट के सेफ्टी अपग्रेडेशन का काम पूरा किया है। पिछले साल भी एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव कई दुर्घटनाओं का शिकार हुआ था।

आरएसएस की तर्ज...

में 200 युवा कांग्रेस नेताओं का विशेष प्रशिक्षण शुरू हुआ है। आज से शुरू हुए इस प्रशिक्षण का उद्घाटन यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने किया। तीन दिन तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में सुबह ही पार्टी कार्यकर्ताओं को सेवा दल के कार्यकर्ता झंडा उतारने, लगाने और वंदे मातरम का शुद्ध गायन करना सिखा रहे हैं। इसके बाद दिन भर की कार्यशाला में कांग्रेस की जिस नींव पर चलकर भारत ने एक गरीब देश से शुरुआत कर आज तक का सफर तय किया है, उसकी जानकारी दी जा रही है। कार्यकर्ताओं को कांग्रेस पार्टी का वह मूल समझाने की कोशिश की जा रही है जिसके सहारे आज के समाज को विघटित होने से बचाया जा सकता है। इन प्रशिक्षण शिविरों की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, महासचिव अविनाश पांडे और पार्टी के सांसद, पूर्व सांसद भी इसमें शामिल हो रहे हैं। वे अपने अनुभवों से कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग देकर उन्हें आने वाले समय में कांग्रेस के सामने आने वाली चुनौतियों और उससे निपटने के तरीके सुझा रहे हैं। अपने आप में यह महत्वपूर्ण है कि कांग्रेस इस तरह के युवा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर लगभग 20 वर्षों के बाद लगा रही है। इसमें युवाओं को कांग्रेस की परंपरागत टोपी, झंडा और कांग्रेसियत का महत्व बताया जा रहा है। कांग्रेस के फ्रंटल विभाग प्रकोष्ठों के प्रभारी विश्व विजय सिंह ने अमर उजाला से कहा कि इस समय देश में जिस तरह का माहौल चल रहा है, उसमें वैचारिकता का संकट सबसे बड़ा हो गया है।

गलती से किया था ...

कहा कि उस समय महिलाओं की स्थिति क्या थी? आज आप इन स्वयं सहायता समूहों को देख सकते हैं। क्या आपने पहले ऐसी आत्मविश्वासी ग्रामीण महिलाएं देखी थीं? हालांकि, कुमार ने प्रसाद के *प्रस्ताव* के बारे में सवाल का जवाब नहीं दिया। बिहार में सालभर के अंदर होने वाले विधानसभा चुनाव में राजग के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के बारे में पूछे गए सवाल पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गोलमोल जवाब देने के संदर्भ में प्रसाद ने कुमार के लिए दरवाजे खुले होने वाला बयान दिया था। राज्य भाजपा के नेता अपनी ओर से कहते रहे हैं कि 2025 के विधानसभा चुनाव में कुमार राजग का *चेहरा* होंगे। लोकसभा चुनाव में बहुमत से दूर रही भाजपा केंद्र में सत्ता में बने रहने के लिए जदयू और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) जैसे गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर है।

जहांगीरपुर होगा जगदीशपुर...

शिक्षा को युवाओं के स्वर्णिम भविष्य का आधार बताते हुए उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर वर्ग तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डा. यादव ने कहा कि एक गांव का नाम खटकता है। वो नाम है मौलाना। हमको तो समझ नहीं आया कि गांव का इस नाम से क्या संबंध है। नाम लिखो तो पेन अटकता है। आज से मौलाना का नाम विक्रम नगर होगा। गजनी खेड़ी का नाम चामुंडा माता नगरी और जहांगीरपुर का नाम बदलकर जगदीशपुर किए जाएंगे। नाम बदलने की राजनीति पर उन्होंने कहा कि जब मुंबई और चेन्नई जैसे बड़े शहरों के नाम बदले जा सकते हैं, तो फिर हम अपनी पंचायतों के नाम क्यों नहीं बदल सकते? उन्होंने गजनी खेड़ी पंचायत को चामुंडा माता नगरी के नाम से पुकारे जाने की घोषणा करते हुए वहां विकास कार्यों के आदेश भी दिए। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक जितेंद्र पंड्या और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री जोशी ने श्री चामुण्डा धाम मन्दिर में पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मंदिर के पुजारी ईश्वरगिरी गोस्वामी ने बताया कि गजनीखेड़ा में चंड-मुंड का संहार करने वाली मां चामुंडा का ऐतिहासिक भव्य मंदिर है। वर्तमान में यह मंदिर पुरातत्व विभाग के अधीन है। माना जाता है कि यहां माता की प्रतिमा दिन में तीन रूप धारण करती है। यह छठी या सातवीं शताब्दी का गुप्तकालीन मंदिर है, गर्भ गृह की प्रमुख मूर्ति चामुंडा माता की है। बाजू में स्कंद माता और प्रति स्कंद माता की मूर्ति है।

बांग्लादेश ने दिखाई ...

क्षेत्र में 55 इन्फैंट्री डिवीजन द्वारा आयोजित अभ्यास में कहा कि देश की संप्रभुता की रक्षा करना होगा और युद्ध जीतने के लिए तैयारी बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जैसा कि खेलों में देखा जाता है, जो टीम अधिक तैयारी करती है और कड़ी मेहनत करती है, उसके जीतने की संभावना अधिक होती है; युद्ध में बिल्कुल यही होता है। *पूर्णता* (उत्कृष्टता) प्राप्त करने के लिए निरंतर तैयारी जरूरी है। यूनुस ने बांग्लादेश सेना के 55 इन्फैंट्री डिवीजन का प्रशिक्षण देखा। वहीं, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार ने दावा किया, आज अभ्यास में उन्होंने जो दृश्य देखा, उससे देश की सेना का आत्मविश्वास और भरोसा बढ़ा है। वे यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि बांग्लादेश की सेना और अधिक आधुनिक बने। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार ने आश्वासन दिया है कि सेना सहित देश के सैन्य बलों के सदस्यों के आधुनिक प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही यूनुस ने सेना के सदस्यों से कहा कि आज 55 इन्फैंट्री डिवीजन द्वारा आयोजित अभ्यास के पीछे बहुत कड़ी मेहनत छिपी हुई है। युद्धाभ्यास में सैन्य अधिकारियों के कौशल की सराहना की। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार ने कहा कि मैं हमेशा सिनेमा स्क्रीन पर युद्ध देखता हूं। सामने की लड़ाई देखें। इतिहास की कई बड़ी लड़ाइयां हम सिनेमा के पर्दे पर देखते हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार ने कहा कि इस तरह के अभ्यास को आयोजित करने के लिए बहुत कड़ी मेहनत, योजना और समन्वय की आवश्यकता होती है। इस अभ्यास को देखने के बाद, मैं समझता हूं कि 55 डिवीजन के सभी सदस्यों ने अथक परिश्रम किया है। इसलिए मैं सबसे युवा सैनिक से लेकर जीओसी तक सभी अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। साथ ही, मैं इस अभ्यास में मुझे आमंत्रित करने के लिए सेना प्रमुख (बांग्लादेश सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान) को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले साल के आखिरी कुछ महीनों से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना बढ़ती जा रही है। वहां के कट्टरपंथी नेताओं से लेकर बांग्लादेश के पूर्व सेना प्रमुखों ने भी एक के बाद एक धमकियां और चेतावनियां दी हैं। केवल कोलकाता ही नहीं, बल्कि बंगाल-बिहार-उड़ीसा-असम और अंत में सेवन सिस्टर्स पर भी कब्जा करने के बयान दिए गये हैं। इस बार बांग्लादेश में युद्धाभ्यास को लेकर इस देश के सैन्य कमांडर भी यही कह रहे हैं।

बांग्लादेशी जज ट्रेनिंग ...

अकादमी में 10 फरवरी को आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेना था। रद्दीकरण आदेश बांग्लादेश संगबाद द्वारा रिपोर्ट किए जाने के बाद आया। बांग्लादेश सरकार ने अपने प्रवक्ता के माध्यम से जानकारी दी कि ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए दी गई अधिसूचना को रद्द कर दिया गया है, लेकिन विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। यह कार्यक्रम बांग्लादेशी न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों के लिए था, जिसमें जिला और सत्र न्यायाधीश से लेकर सहायक न्यायाधीश तक शामिल थे। भारत सरकार को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सभी खर्चों को उठाना था। भ

पीओके में विरोध...

हो जातीं, धरना जारी रहेगा, क्योंकि सरकार के साथ बातचीत विफल हो गई है। इसी बीच गिलगित बाल्टिस्तान के मानवाधिकार नेता शब्बीर मय्यर ने एलान कर दिया है कि वे करगिल तक मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें कुछ हुआ तो पाकिस्तान की हुकूमत जिम्मेदार होगी। शब्बीर ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि पिछले कुछ समय से मुझे नजरबंद किया गया था। आज मुझे चेकअप के सिलसिले में बाहर जाना था, मुझे पाकिस्तान की तरफ जाना था, तो मैं गाड़ी से जा रहा था। मुझे 7:30 बजे वहां बीच में रोक दिया गया। जब मैंने पूछा तो बोला गया कि आर्डर आया है आपकी जिन्दगी भी खत्म हुई तो भी आपको जाने नहीं दिया जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि मैं सबसे गुजारिश करता हूं कि हम पर हो रहे सियासी अत्याचार के खिलाफ आवाज बुलंद करें। मुझे इलाज नहीं करवाने दिया जा रहा है, मैं बच्चो को लेकर कारगिल की तरफ मार्च करूंगा। हमारे लोगों ने कहा कि वो भी साथ आएंगे। शब्बीर ने आगे कहा कि मुझे दो हफ्तों से टार्चर किया जा रहा है। अगर मुझे कुछ

बरपेटा में लड़की ने की आत्महत्या

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के ताराबाड़ी थाना अंतर्गत सेंगा में सनसनीखेज घटना हुई। एक लड़की ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। आत्महत्या करने वाली लड़की की पहचान सेंगा के बरसेंगापारा के चक्रधर डेका की बेटी अंकिता डेका (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया है कि शनिवार की रात लड़की ने गोहाली (पशु घर) वाले घर में प्लास्टिक की रस्सी से फंदा लगा लिया। लड़की को उसके परिवार के सदस्यों ने देखा, जब वह लटक रही थी। उसे तुरंत सेंगा मॉडल अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। लड़की बरपेटा स्थित शंकरदेव नेत्रालय में काम करती थी। घटना की सूचना मिलने के बाद ताराबाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में बरपेटा जिले की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मामोनी हजारिका पहुंची और घटना की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। लड़की के शव को पोस्टमार्टम के लिए फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। लड़की की आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

कांग्रेस ने सीएम को चुनौती दी कि वे प्रति व्यक्ति आय में पूर्वोत्तर के पड़ोसियों से बेहतर प्रदर्शन करें

गुवाहाटी। कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को एक बड़ी चुनौती देते हुए उनसे अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम जैसे पड़ोसी पूर्वोत्तर राज्यों की प्रति व्यक्ति आय को पार करने का आग्रह किया है। यह चुनौती असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के प्रमुख भूपेन बोरा ने रविवार को राजीव भवन में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान दी। बोराह ने राज्य की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए बताया कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में असम उक्त राज्यों से पीछे है। बोराह ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में प्रति व्यक्ति आय के मामले में असम अरुणाचल, मिजोरम और मेघालय से पीछे है। अगर मुख्यमंत्री में वाकई क्षमता है और *डबल इंजन* वाली सरकार है, तो मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे सुनिश्चित करें कि असम की प्रति व्यक्ति आय अरुणाचल, मेघालय और मिजोरम से आगे निकल जाए। बोरा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि असम को 2026 के चुनावों से पहले प्रति व्यक्ति

आय के मामले में शीर्ष 10 राज्यों में शामिल होने का लक्ष्य रखने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इतने कम समय में यह एक अवास्तविक लक्ष्य होगा। राज्य की आर्थिक प्रगति की आलोचना करते हुए बोराह ने बताया कि असम का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) शीर्ष पायदान से बहुत दूर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का दावा है कि असम भारत के शीर्ष 5 विकसित राज्यों में से एक होगा। लेकिन यदि आप उच्चतम जीएसडीपी वाले शीर्ष 10 राज्यों के आंकड़ों को देखें, तो आपको वहां असम नहीं मिलेगा। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्य इस सूची में हावी हैं। उन्होंने कहा कि 2023-24 के लिए असम का जीएसडीपी 6,43,089 करोड़ रुपए है। बोराह ने मुख्यमंत्री की नेतृत्व शैली की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी तथा उन पर *श्रेय लेने वाले* होने तथा केवल आत्म-प्रचार पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया। बोराह ने कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि असम चमक रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि केवल वह और उनके सहयोगी, कुछ गैर-असमिया ठेकेदारों और पूंजीपतियों के साथ मिलकर लाभ उठा रहे हैं। असम, समग्र रूप से, चमक नहीं रहा है। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के 2004 के *इंडिया इज शाइनिंग* अभियान से तुलना करते हुए, बोराह ने निष्कर्ष निकाला, जिस तरह 2004 के नारे का जवाब कांग्रेस के मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में चुनकर दिया गया था, उसी तरह 2026 में असम के लोग भाजपा के नेतृत्व को जवाब देंगे। एपीसीसी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को यह भी याद दिलाया कि उनका वर्तमान कार्यकाल 490 दिनों में समाप्त हो जाएगा, तथा 400 दिन शेष रहने पर उल्टी गिनती शुरू हो जाएगी।

जामुगुड़ीहाट में भाओना में द्रौपदी के किरदार में अभिनेत्री गायत्री महंत का अभिनय

शोणितपुर (हिंस)। शताब्दी समारोह के तहत जामुगुड़ीहाट के जामुगुरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शताब्दी उत्सव का पहला दिन भाओना प्रदर्शन के साथ समापन हुआ। इस कार्यक्रम में अभिनेत्री गायत्री महंत के द्रौपदी के किरदार को देखने के लिए हजारों दर्शक पहुंचे। नाटक *द्रौपदी के वस्त्रहरण और कुरुक्षेत्र युद्ध* शीर्षक वाले इस भाओना में गायत्री महंत ने द्रौपदी का किरदार निभाया। गायत्री महंत की सुंदर और सहज अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। उल्लेखनीय है कि अभिनेत्री गायत्री महंत केंद्रीय मंत्री पवित्र मार्घेरिटा की पत्नी हैं। इस कार्यक्रम में गायत्री महंत के अभिनय के अलावा विद्यालय के पूर्व छात्रों और छात्राओं द्वारा प्रस्तुत भाओना ने भी दर्शकों का दिल जीता। इस प्रस्तुति ने दर्शकों के बीच खास जगह बनाई और यह आयोजन खास तौर पर यादगार बन गया।

असम में सड़क दुर्घटनाओं में कमी
शराब पीकर गाड़ी चलाने पर सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। इस वर्ष सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में कमी असम पुलिस और परिवहन विभाग की शराब पीकर गाड़ी चलाने पर सख्त निगरानी का परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि नए साल की पूर्व संध्या पर और नए साल के दिन शराब पीकर गाड़ी चलाने के 481 मामले दर्ज किए गए और 109 ड्राइविंग लाइसेंस जब्त किए गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुरक्षित सड़कों की दिशा में लगातार प्रयासरत है।

खारुपेटिया में लगी भयावह आग में थोक विक्रेता का गोदाम जलकर राख

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के दलगांव विधानसभा क्षेत्र के खारुपेटिया में बीती रात लगी भयावह आग की घटना से इलाके में अफरा-तफरी फैल गयी। फतेह चंद हिरावत के कार्यालय और गोदाम में आग लगने से लगभग 25 लाख रुपए की संपत्ति के नुकसान होने का अनुमान जताया गया है। गोदाम में बिस्कुट, चिप्स, मोबाइल फोन और अन्य सामग्रियां रखी हुई थीं। फतेह चंद हिरावत बिस्कुट, चिप्स और मोबाइल फोन के थोक विक्रेता थे। अग्निशमन वाहन की लंबी कोशिशों के बाद आग पर काबू पाया गया। इस आगजनी के कारणों का पता अभी तक नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

काजीरंगा में स्थायी जलीय और प्रवासी पक्षियों की गिनती 11 से

गोलाघाट (हिंस)। राष्ट्रीय उद्यान काजीरंगा में स्थायी जलीय और प्रवासी पक्षियों की गिनती 11 - 13 जनवरी तक होगी। इसके लिए तैयारियां पूरी की जा रही हैं। यह विशेष पक्षी जनगणना कार्यक्रम पूर्वी असम वन्यजीव वन प्रभाग, नगांव वन्यजीव प्रभाग के साथ-साथ काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बिश्वनाथ वन्यजीव प्रभाग क्षेत्र और बाघ परियोजना क्षेत्र में छठी बार होगी। यह जानकारी काजीरंगा नेशनल पार्क के डीएफओ अरुण विग्नेस ने दी। उद्यान प्रबंधन के अनुसार काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में होने वाली इस गणना में वन विभाग के अधिकारियों, स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों के साथ आसपास के स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को प्रशिक्षित कर गणना में लगाया जाएगा।

बटद्रवा में बिहू के लिए भेला घर बनाने की तैयारियां शुरू

नगांव (हिंस)। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भोगाली उत्सव मनाने की घर-घर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस कड़ी में नगांव जिलांतर्गत महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बटद्रवा के सत्र (मठ) के वैष्णव भक्तों ने पूरी सत्रीया परंपरा के साथ भोगली पर्व के लिए भेलाघर बनाने की तैयारी शुरू कर दी हैं।राज्यभर में 13 जनवरी को उरुका और 14 जनवरी को भोगाली बिहू उत्सव मनाया जाएगा। राज्य के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग सांस्कृतिक परंपराओं के साथ माघ बिहू के स्वागत की तैयारियों हो रही हैं। किसी ने भोगाली उत्सव की तैयारियों के तहत पीठा बनाना शुरू किया है तो किसी ने विभिन्न प्रकार का भेलाघर बनाना आरंभ किया है। असमिया जातीय संस्कृति के केंद्र स्वरूप बटद्रवा में भेलाघर बनाने के लिए दान इकट्ठा करने के लिए घर-घर जाने का एक पारंपरिक कार्यक्रम *हरिध्वनि* के माध्यम से शुरू हुआ है, जो गुरुजन की शुरू की गई सत्र संस्कृति की गौरवशाली विरासत और एक मांगलिक कार्यक्रम है। इसके तहत वैष्णव भक्त एकत्र होकर हरिध्वनि के साथ लोगों के घर-घर पहुंच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बिहू असमिया

संस्कृति का प्राण है। भोगालू बिहू अपने नाम के अनुरूप अच्छे-अच्छे पकवान बनाकर खाने से है। मूलरूप से बिहू कृषि से संबंधित पर्व है। असम में तीन बिहू मनाया जाता है, भोगाली, रंगाली और कंगाली बिहू। देश के अन्य हिस्सों में जैसे मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल आदि नामों से मनाया जाता है। इस मौके पर धान के पुआल और बांस आदि से भेलाघर बनाया जाता है। जिसमें रात के समय सामूहिक भोज होता है, जिसे सुबह के समय स्नान के बाद पूरे विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना करने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है।

शिवसागर में चोरी के डीजल भरे टैंक से युवक का शव बरामद

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर शहर से आठ किलोमीटर दूर बेतवारी काकती गांव में एक युवक का शव चोरी के डीजल से भरे टैंक में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। यह घटना इस बात को लेकर चर्चा में है कि युवक की हत्या कर उसे टैंक में डाला गया था या फिर वह तेल चोरी करते वक्त गिरकर मर गया। बेतवारी कोवामरा सत्र के 19 वर्षीय युवक खनिक बरोइया का शव डीजल से भरे सिनटेक्स टैंक में बरामद किया गया। यह टैंक मनोज दत्त के घर के परिसर में अवैध रूप से डीजल जमा करने के लिए रखा गया था। घटना के संदर्भ में पुलिस ने आज मनोज दत्त के पुत्र कौस्तुभ दत्त को गिरफ्तार कर लिया है।

श्री शाकंभरी भक्त मंडल का 23वां वार्षिक महोत्सव आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। श्री शाकंभरी परिवार गुवाहाटी के सौजन्य से श्री शाकंभरी भक्त मंडल का 23वां वार्षिक महोत्सव फैंसी बाजार स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मां शाकंभरी का भव्य दरबार सजाकर फूलों से श्रृंगारित किया गया। पूजा अर्चना के पश्चात मंगल पाठ वाचिक निर्मला कमल आलमपुरिया ने मां शाकंभरी का संगीतमय मंगल पाठ का वाचन किया। इससे पहले आयोजन स्थल पर उपस्थित सभी कुंवारी कन्याओं का पूजन कर उन्हें उपहार प्रदान किए गए। शाकंभरी परिवार की महिला सदस्योंओ द्वारा भजनों के कार्यक्रम का शुभारंभ भजन प्रस्तुति के द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय भजन गायक जगदीश महतो, विनोद शर्मा,दीपक मिश्र और मनोज पंडित ने भजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की। आयोजन में श्रद्धालुओं ने माता की ज्योत के दर्शन कर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। अंत में महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया।

सिलापथार में ताकाम दारिग ऑपृन के पांचवे स्थापना दिवस की धूम

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिले के सिलापथार स्थित चिलासुति गांव पंचायत के आर्ची मजरबाड़ी गांव में ताकाम दारिग ऑपृन का पांचवां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में 52 सदस्यीय केंद्रीय समिति के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ क्षेत्रीय समितियों के सदस्य भी उपस्थित रहे। दिनभर चले इस आयोजन की शुरुआत समर्पण समिति के अध्यक्ष गुणाधर दारिद्र के नेतृत्व में सामूहिक सफाई कार्यक्रम से हुई। इसके बाद केंद्रीय समिति के प्रमुख सलाहकार प्रतिनाथ दारिक ने वृक्षारोपण किया, केंद्रीय समिति के सचिव मनोज दारिग ने स्मृति तर्पण किया और केंद्रीय समिति के अध्यक्ष वैद्यनाथ दारिग ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद एक सार्वजनिक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कबांग के अध्यक्ष ने किया और सहायक सचिव बाबुल दारिग ने बैठक को संभाला। इस अवसर पर ऑपृन से जुड़े कई विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिनमें अमरपुर बर्गुली प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक देवकांत दारिग, जोनाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य परमानंद दारिग, काशीनाथ सर्वोदय हाई

स्कूल के सहायक शिक्षक गुणाधर दारिग और शिवसागर जिले के दिसांगमुख गांव पंचायत के अंतर्गत मामल गढ़-भागा प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक वैद्यनाथ दारिग जैसे लोग शामिल थे। इसके बाद, कार्यक्रम के अंतर्गत ताकाम दारिग औरों कबांग के उत्पत्ति और भविष्य की कार्य योजनाओं पर चर्चा की गई। फणीधर दारिग ने दारिग वंश की उत्पत्ति और भविष्य के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि, परमानंद दारिग ने दारिग वंश के इतिहास पर विस्तार से अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन में स्थानीय गायकों और कलाकारों ने गीत-संगीत के द्वारा वातावरण को जीवंत किया।

तामरहाट में सड़क दुर्घटना के बाद छात्र की मौत पर तनाव

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के तामरहाट में शनिवार रात एक सड़क दुर्घटना के बाद तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। रामनाथपारा इलाके में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक स्कूली छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामनाथपारा गांव के माजारुल इस्लाम के रूप में हुई है। दुर्घटना करने वाले ट्रैक्टर (एएस-16-0180) को ग्रामीणों ने पीछा कर पकड़ लिया। छात्र की मौत को लेकर स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और घटना स्थल पर विरोध प्रदर्शन करने लगे। पुलिस के पहुंचने के बावजूद गुस्साए लोगों ने नाराजगी जाहिर की और *तामरहाट पुलिस गो बैक, पुलिस की दबंगई नहीं चलेगी* जैसे नारे लगाते हुए उग्र प्रदर्शन किया। पुलिस के प्रयास से स्थिति को काबू में लाया गया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी ने उचित कार्रवाई का नाराज लोगों को आश्वासन दिया।

तीन दिवसीय वस्त्र मेले का समापन

गुवाहाटी। पिछले कुछ वर्षों से ऑनलाइन व्यापार ने समूचे कारोबार जगत की कमर तोड़कर रख दी है। विशेष रूप से कपड़ा व्यापारी प्रभावित हुए हैं। ऑनलाइन व्यापार से पढ़ रही मार के चलते छोटे कपड़ा व्यापारी पूरी तरह से खत्म होने के कगार पर पहुंच गए हैं। ऐसे में छोटा कपड़ा व्यापारियों मैं एक नई जान फूकने के उद्देश्य से नॉर्थ ईस्टर्न गारमेंट्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (नेग्टा) की ओर से बायर्स एंड सेलर्स मीट का आयोजन किया गया है। ताकि उनके मंदे पड़े कारोबार को एक नई दिशा दी जा सके। इसी को ध्यान में रखते हुए नेग्टा की ओर से आज से तीन दिवसीय बायर्स एंड सेलर्स मीट का आयोजन किया गया।

असावधानी से चली गोली लगने से पुलिस जवान की मौत

डिब्रूगढ़ (हिंस)। स्थानीय पुलिस छावनी में रविवार सुबह बंदूक की सफाई करते समय असावधानीवश चली गोली लगने से पुलिस जवान की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पुलिस छावनी में माधव सुतिया नामक जवान को उसकी ही एके-47 सर्विस राइफल से निकली गोली उसके सीने को भेदते हुए पार निकल गई। गोली लगने के बाद वह बाहर भागा और चिल्लाया, *मुझे बचाओ, मुझे गोली लग गई*। उस समय घर में उनकी पत्नी और एक जवान बेटा था। उसकी चीख सुनकर पड़ोसी बाहर आए और उसे असम मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (एएमसीएस) ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। माधव सुतिया का घर जोरहाट जिले के तीताबार में है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोकराझाड़ : अवैध इमारती लकड़ी समेत बैल तथा भैंसा गाड़ी जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के बाह्य सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती व वन्य जीव विभाग खुगरिंग के बलकर्मियों साथ अतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या-166/2 से 7 किलोमीटर भारत की ओर देवश्री रिर्जव फॉरेस्ट एरिया में रात्रि गश्ती के दौरान देखा गया की चार बैल गाड़ी में कुल 15 पीस इमारती लकड़ी (60 सीएफटी) लोड किया हुआ था और 6 बैल व 3 भैंसा वही पास मौजूद था परंतु इन सभी जानवरों व बैल गाड़ियों के पास कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था। तदोपरांत उस स्थान को चारों तरफ तलाशी ली गई। परंतु कोई व्यक्ति आस-पास दिखाई नहीं दिया। गुप्त सूचना द्वारा ज्ञात हुआ कि फॉरेस्ट माफियों को एसएसबी व वन्य जीव विभाग की आने की भनक मिलते ही व अपना 6 बैल व 3 भैंसा तथा 4 बैल गाड़ी छोड़ कर फरार हो गए। तदोपरांत उक्त अवैध लकड़ी व 6 बैल व 3 भैंसा सहित चारों गाड़ियों को जब्त किया गया और जब्त की गई अवैध लकड़ी व उक्त जानवरों सहित चार बैल गाड़ियों को वन्य जीव विभाग खुगरिंग को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपूर्द किया गया। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गश्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

2025 का शिल्पी पुरस्कार और 2024 का नटसूर्य फणी शर्मा पुरस्कार घोषित

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सांस्कृतिक विभाग ने 2025 के शिल्पी पुरस्कार और 2024 के नटसूर्य फणी शर्मा पुरस्कार के विजेताओं के नाम घोषित कर दिए हैं। साहित्याचार्य अतुल चंद्र हजारिका और भीमबर देउरी पुरस्कार के लिए भी नामों की घोषणा की गई। 2025 का शिल्पी पुरस्कार गायिका डॉ. अनीमा चौधरी और लोक कलाकार मुकुल राभा को दिया जाएगा। वहीं, 2024 का नटसूर्य फणी शर्मा पुरस्कार अभिनेत्री रेवा फूकन को प्रदान किया जाएगा। साहित्याचार्य अतुल चंद्र हजारिका पुरस्कार अभिनेत्री हीरा नेउग को और भीमबर देउरी पुरस्कार समाजसेवी जलेश्वर ब्रह्म को दिया जाएगा। प्रत्येक पुरस्कार में दो लाख रुपए की नकद राशि, मानपत्र और अंगवस्त्र प्रदान किया जाएगा।

तेरापंथ धर्मस्थल में अभिनव सामायिक फेस्टिवल आयोजित

गुवाहाटी। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद गुवाहाटी द्वारा उपासक अशोक सुराणा के सान्निध्य में स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में रविवार को प्रात: 9 से 10 बजे तक अभिनव सामायिक फेस्टिवल उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद के साथ ही श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, अणुव्रत समिति आदि संघीय संस्थाओं के सदस्यगण काफी संख्या में उपस्थित थे। तेरापंथ धर्म संघ के ग्यारहवें आचार्य महाश्रमण अपने मंगल प्रवचन में फरमाते हैं कि अभातेयुप द्वारा नियमित रूप से ये अभिनव सामायिक का कार्यक्रम किया जाता है, जिससे युवाओं में सामायिक के प्रति चेतना जागृत होती है। उपासक

अशोक सुराणा ने बताया कि जैन धर्म में सामायिक का विशेष महत्व माना जाता है। सामायिक को समता की साधना और आत्मा को निर्मल करने का महत्वपूर्ण उपक्रम बताया गया है। सामायिक में व्यक्ति 48 मिनट के लिए सारे सांसारिक कार्यों का त्याग करके आध्यात्म साधना में लीन हो जाता है। परिषद के अध्यक्ष सतीश कुमार भादानी ने बताया कि अभातेयुप की 358 शाखाएं पूरे देश व नेपाल एवं भूटान में नव वर्ष के प्रथम रविवार को सामायिक फेस्टिवल का आयोजन करती हैं। आभार ज्ञापन मंत्री पंकज सेठिया ने किया। यह जानकारी परिषद के सहमंत्री (द्वितीय) राहुल नाहटा ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

संपादकीय

निशाने पर मुजीब

बांग्लादेश में उग्र छात्र आंदोलन के बाद जो स्थितियां बनी हैं वे न तो इस देश के हित में हैं और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में। जनविद्रोह की स्थितियों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के पलायन के बाद लगातार बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु मुजीबुर्रहमान के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसकी शुरुआत तब देखने को मिली, जब अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल 16 दिसंबर को बिजॉय दिबोश यानी विजय दिवस के मौके पर दिए गए संबोधन में युवा राष्ट्र के संस्थापक कहे जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान का उल्लेख तक नहीं किया। उल्लेखनीय है कि यह दिवस भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके, लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर अमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही बांग्लादेश को स्वतंत्र करने की घोषणा की थी। इस तरह अराजकता व अल्पसंख्यकों पर हमलों के बीच नये विमर्श गढ़ने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, अंतरिम सरकार और कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित रूप से बांग्लादेश मुक्ति अभियान के दौरान जियाउर रहमान एक सम्मानित सैन्य अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने 1971 के युद्ध में विशिष्टता के साथ सेवाएं दी थी। वे कालांतर बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी बने थे। अपदस्थ सरकार के कर्ताधर्ता दलीलें दे रहे हैं कि उनके योगदान को राष्ट्र द्वारा उचित रूप से सम्मान देना चाहिए। लेकिन हकीकत यह भी है कि इसके जरिये मुजीबुर्रहमान के योगदान को कम करने की कोशिशें भी की जा रही हैं। जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार करना अनुचित ही होगा। दरअसल, यह सिर्फ सत्ता के केंद्र में आए व्यक्तियों की बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि बांग्लादेश में मुजीब के चित्र वाले नोटों को भी चरणबद्ध तरीके से बंद करने की कुत्सित कोशिशें की जा रही हैं। निश्चित रूप से गलत दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि तमाम निर्णय कहीं न कहीं राजनीतिक दुराग्रहों से प्रेरित हैं। इसके बावजूद कि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार खुद को बार-बार अराजनीतिक कहने से नहीं चूकती। यहां उल्लेखनीय है कि जियाउर रहमान की विधवा और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, फिलहाल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की प्रमुख हैं। जिसके साथ कार्यवाहक सरकार के मधुर रिश्ते हैं। वहीं सत्ता हासिल करने को बेताब बीएनपी चुनाव में हो रही देरी से भी बेचैन हो रही है। दरअसल, सरकार पर उन छात्र नेताओं का भी बड़ा दबाव है, जिन्होंने शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था।

वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके, लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर अमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी।

घात प्रतिघात की नीतियों में या कुटिल चालों में ऐसे उलझे कि रेल की सीटी की आवाज भी हमें सुनाई नहीं दी

जिंदगी निकट से होकर चली गई...

डॉ राकेश कुमार आर्य

युधिष्ठिर परिव्राजक जी इस विषय में अपने प्रवचनों में कहते हैं कि जैसे कोई व्यक्ति रेलवे स्टेशन पर जाता है और वहाँ जाकर उसे पता चलता है कि गाड़ी के आने में अभी बहुत समय है तो वह ताश खेलने लगता है, टीवी देखने लगता है या किसी और दूसरे मनोरंजन में अपने आपको लगा लेता है। उससे पूछा जाए कि क्या कर रहे हो? तो वह कहता है कि टाइम पास कर रहा हूँ। बस, यही स्थिति हम सब की हो गई है। हम सब मोक्ष प्राप्ति के जिस उद्देश्य को लेकर यहाँ आए थे, उससे अलग हटकर सांसारिक विषय वासना, ऐश्वर्यों और भोगों में अपने आप को लगाकर टाइम पास कर रहे हैं।

हम संसारीजन जब परस्पर एक दूसरे से कुशल क्षेम पूछते हैं तो अक्सर कुशल क्षेम बताने वाला व्यक्ति यह कहता हुआ पाया जाता है कि 'बस कर रहे हैं टाइम पास।' युधिष्ठिर परिव्राजक जी इस विषय में अपने प्रवचनों में कहते हैं कि जैसे कोई व्यक्ति रेलवे स्टेशन पर जाता है और वहाँ जाकर उसे पता चलता है कि गाड़ी के आने में अभी बहुत समय है तो वह ताश खेलने लगता है, टीवी देखने लगता है या किसी और दूसरे मनोरंजन में अपने आपको लगा लेता है। उससे पूछा जाए कि क्या कर रहे हो? तो वह कहता है कि टाइम पास कर रहा हूँ। बस, यही स्थिति हम सब की हो गई है। हम सब मोक्ष प्राप्ति के जिस उद्देश्य को लेकर यहाँ आए थे, उससे अलग हटकर सांसारिक विषय वासना, ऐश्वर्यों और भोगों में अपने आप को लगाकर टाइम पास कर रहे हैं। समझ लो कि जैसे स्टेशन पर बैठे व्यक्ति के पास रेल में बैठने का टिकट होता है वैसे ही यह मानव रूपी चोला ईश्वर ने हमें मोक्ष की गाड़ी में बैठने का टिकट देकर भेजा है। पर हम भी ताश खेलने में लग गए। मैं वकील हूँ, मैं प्रोफेसर हूँ, मैं पत्रकार हूँ, मैं नेता हूँ, मैं विधायक हूँ, मंत्री हूँ- ये सारे के सारे ताश के पत्ते हैं, जिनमें हम उलझ कर रह गए। हम इन पत्तों को चलते फेंटते रह गए और रेल आकर हमारे पास से चली गई। हम एक दूसरे को नीचा दिखाने की घात प्रतिघात की नीतियों में या कुटिल चालों में ऐसे उलझे कि रेल की सीटी की आवाज भी हमें सुनाई नहीं दी। हम टाइम पास करते रह गए और टाइम हमारे बहुत निकट से होकर निकल गया। हमने इस संसार में आने के बाद डॉक्टर, वकील, प्रोफ़ेसर, उद्योगपति या ऐसे ही अन्य खिलौनों को प्राप्त कर यह समझ लिया कि शायद हम जीवन के वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर चुके हैं, जबकि यह तो मात्र टाइमपास का साधन था। हमने साधन को साध्य समझ लिया। इन सबको प्राप्त करके हमें इनके बीच रहकर बड़े लक्ष्य को प्राप्त करना था, पर उस वाली बात हो गई कि-

हम फूल चुनने आए थे बागे हयात में।
दामन को खारजार में उलझा के रह गए।।

आत्मा की इच्छा थी कि मानव योनि को पाकर ईश्वर का सानिध्य, सामीप्य मिलेगा, उसकी आराधना और उपासना का समय मिलेगा और उसकी आराधना- उपासना का आनंद अनुभव कर सकूँगी। पर मानव ने यहाँ आते ही दूसरी दुकानों पर जाकर ऐसे ऐसे सौदे खरीदने आरंभ कर दिए जिनका आत्मा से

दूर का भी संबंध नहीं था। उन्होंने मेवों को खाने वाली अर्थात आत्मानंद के योगरूपी भोग से अपने आपको जोड़कर चलने वाली आत्मा को कूड़ा कबाड़ खिलाना आरंभ कर दिया। सारी कुछ फजीहत हो गई। शंकराचार्य जी से जब पूछा गया कि ₹मुमुक्षुत्वम किम?₹ उन्होंने कहा- ₹मोक्षो मे भूयादितीच्छा₹- अर्थात मेरा मोक्ष हो, ऐसी इच्छा का होना मुमुक्षुत्व है। स्वामी दयानंद जी सरस्वती ने इसकी व्याख्या यह की है जैसे क्षुधा-तृषातुर को सिवाय अन्न जल के दूसरा कुछ भी अच्छा नहीं लगता, वैसे बिना मुक्ति के साधन और मुक्ति से अन्य दूसरे में प्रीति न होना मुमुक्षुत्व है। उत्कट अभिलाषा का होना कि सब प्रकार के दुखों से मुझे मुक्ति मिल जाए और परमानंद प्राप्त हो। साधक जब इस अवस्था को प्राप्त हो जाता है तो उसे परोपकार और परमार्थ के अतिरिक्त अन्य कोई दूसरा रास्ता अपने आपको साधकर और संभाल कर चलने के लिए दिखाई नहीं देता। ऐसी अवस्था को प्राप्त साधक जगतहित और प्राणिमात्र के कल्याण में लगा रहता है। उनसे प्राप्त आनंद को जब प्रभु की गोद में बैठकर अर्थात संध्या उपासना में जाकर उसे सौंपता है तो उसका यह आनंद और भी अधिक बढ़ जाता है। ऐसे साधक को यदि भूख लगती है तो वह भी परमार्थ, परोपकार और परमानंद की लगती है और यदि प्यास लगती है तो वह भी परमार्थ, परोपकार और परमानंद की लगती है। सारा कुछ इन्हीं तीनों शब्दों में सिमट कर रह जाता है। तब उसे संसार के ऐश्वर्य और ऐषणाएँ अपनी ओर आकर्षित नहीं करतीं। संसार के लफड़ों झगड़ों में पड़े उन लोगों के बीच जाकर वह अपने आप को असहज अनुभव करता है जिन लोगों की चेतना घुटनों में निवास करती हो। क्योंकि ऐसे लोग संसार के लफड़े और झगड़ों में ही सुख की अनुभूति करते हैं। उनके बीच बैठकर उसे लगता है कि जैसे उसने अपना समय नष्ट कर दिया है। वह टाइम पास करने वाला नहीं होता बल्कि वह टाइम का सदुपयोग करने वाला होता है। उसके लिए एक एक पल कीमती होता है।

ऐसे साधक की वियोग की तड़प बढ़ने लगती है। तब वह कहता है :-

मैं प्यासी हैं पीव की रटत सदा पिव पीव।
पिया मिले तो जीवहाँ सहजै त्यागो जीव ।।

महर्षि दयानंद ने ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका के उपासना विषय में यजुर्वेद के 11 वें अध्याय के पहले मंत्र का अर्थ करते हुए लिखा है कि- "योग को करने वाला मनुष्य तत्वज्ञान अर्थात ब्रह्म ज्ञान के पहले जब अपने मन को परमेश्वर में युक्त करते हैं तब परमेश्वर उनकी बुद्धि को अपनी कृपा से अपने में युक्त कर लेता है। फिर वह परमेश्वर के प्रकाश को निश्चय करके यथावत धारण करते हैं। पृथ्वी के बीच में योगी का यही प्रसिद्ध लक्षण है।" यजुर्वेद के इसी अध्याय के तीसरे मंत्र की व्याख्या में महर्षि दयानंद ने लिखा है कि₹ वही अंतर्यामी परमात्मा अपनी कृपा से उनको अर्थात साधकों को युक्त करके उनके अंतरात्मा में प्रकाश ब्रह्म ज्योति को प्रकट करता है। कितना पवित्र है मेरा वेद? कितना महान है मेरा भारत? जिसकी वेदों की ऋचाएँ मनुष्य को महान बनने की प्रेरणा देती हैं। उसके जीवन को सुव्यवस्थित करती हैं। सच्ची धर्मनिरपेक्ष शिक्षा यदि कहीं से मिल सकती है तो निश्चित रूप से वह वेदों से ही मिल सकती है। संसार के झगड़ों से बचाकर और संसार में रहकर इस प्रकार की मानसिकता से ऊपर उठाने की शिक्षा केवल वेद की ऋचाएँ ही दे सकती हैं कि यहाँ पर काफिरों को खत्म कर दो और जो आपकी बात को नहीं मानते हैं उनके सर कलम कर दो आदि आदि। वेद का एक-एक शब्द इसके विपरीत अपने साधक को यही कहता है कि इस संसार में ऐसा कुछ भी मत करना जो उपद्रव, उत्पात और उग्रवाद को प्रोत्साहित करे या बढ़ावा दे। क्योंकि यदि इन सारे झगड़ों में अपने जीवन को नष्ट किया तो अनर्थ हो जाएगा। ईश्वर से की गई प्रतिज्ञा का उल्लंघन हो जाएगा। इसलिए वेद कहता है कि यहाँ आकर टाइम पास मत करो, खिलौनों में मत उलझो। ताश मत खेलो। ऐसा ना हो कि तुम ताश खेलते रह जाओ और मोक्ष रूपी गाड़ी आकर चली जाए। प्रमाद रूपी नींद के झटके मत लो बल्कि समय का सदुपयोग करते हुए ईश्वर के निकट जाने की साधना में लगो। इसके लिए जितने भी जन्म लेने पड़ें उतने लेते रहो पर तैयारी करो मोक्ष की। जिससे आवागमन के दुखपूर्ण चक्र से छुटकारा मिल सके।

दृष्टि कोण

आर्थिक मंदी की आहट कीजिए महसूस

लगता है भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी गति से नीचे की ओर जा रही है– 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने के पिछले अनुमान की बनिस्बत अब इसे 6.4 प्रतिशत बताया जा रहा है। बहुत से वैश्विक विश्लेषकों का कहना है कि अगले वित्तीय वर्ष में भी रफ्तार यही बनी रहने की उम्मीद है। स्पष्ट है हमारी अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से शिथिलता की ओर जा रही है। यद्यपि धीमी चाल पर भी, भारतीय अर्थव्यवस्था की गति अधिकांश अन्य बड़े देशों की तुलना में अधिक रहेगी। तभी तो, इस मंदी से नेतृत्व को इतनी चिंता नहीं हो रही है क्योंकि यह अभी भी स्थायित्व वाले स्तर पर बनी रहेगी। लेकिन मंदी का कारण और उसका उपाय खोजना महत्वपूर्ण है क्योंकि लोगों का एक बड़ा वर्ग अभी भी बहुत गरीब है। इससे भी खराब यह कि अमीर-गरीब की आय में बहुत अंतर है, केवल एक छोटा वर्ग ही देश की उच्च अर्थव्यवस्था के फल का लाभ उठा रहा है। वर्ष 2022-23 में, भारत की सकल राष्ट्रीय आय का 22.6 प्रतिशत अंश आबादी के शीर्ष एक फीसदी अमीरों के हाथ गया। इसके अलावा, ग्रामीण-शहरी अंतर भी है। ग्रामीण भारत में जरूरत की चीज़ों पर खर्च प्रति व्यक्ति 3,773 रुपये था, जबकि शहरी भारत में यह 6,459 रुपये रहा। इस प्रकार, अर्थव्यवस्था में शहरी उपभोग का ही अधिक महत्व है। मंदी का मुख्य कारण अपर्याप्त क्रय-शक्ति है। शहरी मध्यम वर्ग पर यह कारक विशेष रूप से लागू है, जो कि समग्र मांग का मुख्य प्रेरक है। इसके परिणामस्वरूप उपभोग आधारित उत्पादक कारोबार में सुस्ती आएगी। ये पूरे वेग से आगे नहीं बढ़ पाएंगे। लिहाजा, कंपनियां कम कर्मचारियों को काम पर रखेंगी। इससे मांग में आगे कमी बनेगी और सकल उपभोग में मंदी बढ़ेगी। ग्रामीण भारत में, स्थिति और भी बदतर है। आजीविका चलाने के लिए, पुरुषों की कमाई अपर्याप्त होने के चलते गांवों के परिवारों की महिलाओं को काम करना पड़ता है। लेकिन, वास्तव में, यह महिलाएं किसी कंपनी या कारखाने में नहीं, बल्कि खेतों में काम कर रही हैं। इसलिए, एक फैक्टरी मजदूर जितनी आय भी उनकी नहीं है। उच्च विकास दर दो ताकतों- विनिर्माण और सेवाओं के बढ़ने से बनती है। लेकिन जैसा कि पहले बताया गया है, अब तक मजबूत रहे विनिर्माण क्षेत्र में भी मंदी जारी है। अगर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं खेतों में काम की बजाय कारखानों में जातीं, तो व्यापक आधार पर विकास होता। उद्योगों एवं सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में बहुत अधिक पूंजी निवेश होने से ही उच्च विकास दर संभव हुई थी, इसमें भी, आधारभूत ढांचे में यह वृद्धि अधिक सार्वजनिक निवेश के माध्यम से संभव हुई थी। बेहतर सड़कें, बिजली और रेलवे तंत्र ने उद्योग जगत को आशावादी महसूस करवाया और अधिक विकास हुआ। इससे कार, ट्रक और दोपहिया वाहनों के बाजार में काफी उछाल आया। इसके परिणाम में मध्यम वर्ग के उपभोग व्यय में इजाफा हुआ, खासकर शहरी क्षेत्रों में। किंतु आज यह कारखाने, जो कि ज्यादातर तेजी से बिकने वाले उपभोग के सामान का उत्पादन करते हैं, सुस्त हो रहे हैं। इसलिए, जिस सपने का हम इंतजार कर रहे थे- ग्रामीण क्षेत्रों की अधिक महिलाओं का शहरी क्षेत्रों में कंपनी-कारखानों में अधिक नौकरियां करना- वह फीका पड़ चल रहा है। अब, सेवा क्षेत्र पर नज़र डालते हैं, जो उच्च विकास की अवधि के दौरान अत्यधिक मजबूत बनती चली गयी थी। मजबूत खपत ने कारों, दोपहिया वाहनों, टीवी सेट आदि को ठीक करने वालों के लिए अधिक रोजगार का सृजन किया। जैसे-जैसे विनिर्माण में कमी आएगी, सेवा क्षेत्र की उच्च विकास दर में भी मंदी आने की संभावना है। अब बात करने को बचा हमारा निर्यात सेवा क्षेत्र, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कौशल का पर्याय है, और अब यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करते हुए और ऊपरी स्तर छू रहा है। लेकिन यहां भी, एक नकारात्मक प्रभाव आड़े आ रहा है– विदेशी ग्राहक कंपनियां अब आसपास के लोगों से काम लेने को तरजीह देने लगी हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाएं आव्रजन के मामले में सख्त होती जा रही हैं, अग्रणी भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए निकटवर्ती क्षेत्र में काम तलाशे जाने की ज़रूरत बढ़ेगी।

कुछ अलग

चुनौतियां बेशुमार

यूं तो नया या पुराना साल एक समय चक्र मात्र है और देश के सामने समस्याएं व चुनौतियां हर दौर में रही हैं। लेकिन हम समय की एक इकाई में अपनी समस्याओं को दूर करने के लक्ष्य निर्धारित कर निराकरण का प्रयास करते हैं। कमोबेश वर्ष 2025 को लेकर भी यही स्थिति रहने वाली हैं। हालांकि महंगाई, बेरोजगारी तथा गरीबी सर्वकालिक व सर्वदेशीय समस्याएं रही हैं, फर्क है तो यही कि सत्ताधीश इन चुनौतियों का मुकाबला कैसे करते हैं। जैसे-जैसे बीता साल पूर्णता की ओर बढ़ रहा था, देश को लेकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में कुछ सकारात्मक तो कुछ चिंता बढ़ाने वाली खबरें वातावरण में तैर रही थीं। हालांकि, बांग्लादेश का राजनीतिक घटनाक्रम व अल्पसंख्यकों पर ज्यादती की खबरें विचलित करने वाली थी। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बांग्लादेश में जिस सत्ताधीश के विरोध में सत्ता पलट हुआ, उस सत्ता की सूत्रधार को भारत ने शरण दी। दरअसल, भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में तार्किक के बजाय भावनात्मक मुद्दे राजनीतिक विमर्श पर हावी रहे हैं। हालांकि, अच्छी बात यह है कि दशकों से जारी एलएसी विवाद सिमटता नजर आया। जिससे चीन से बिगड़े रिश्ते पटरी पर आने की उम्मीद जगी। जिसके मूल में अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम भी है, लेकिन सुखद है कि एशिया की बड़ी महाशक्ति से संबंधों में सुधार आया। बाकी इस माह डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद भारत की विदेश नीति दशा-दिशा तय करती नजर आएगी। जहां तक देश के घरेलू मोर्चे का सवाल है तो आर्थिक सुस्ती सत्ताधीशों की चिंताओं का विषय होनी चाहिए। वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर 5.4 फीसदी रहना चिंता का सबब बनी, क्योंकि यह विकास दर पिछली सात तिमाहियों के सबसे निचले स्तर पर है। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बीता वर्ष आम चुनावों व कई बड़े राज्यों में चुनाव का साल था, जिसमें भारी मात्रा में अनुत्पादक सरकारी खर्च हुआ है। जो कहीं न कहीं देश की विकास दर को प्रभावित करता है। बहरहाल, इसके बावजूद केंद्र सरकार विकास दर व मंदी की आहट को लेकर चिंतित नजर नहीं आती तो उसकी वजह है कि भारत की यह विकास दर भी दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है। आर्थिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि वर्ष 2024-25 की तीसरी व चौथी तिमाही में विकास दर के तेज रहने के आसार हैं। जैसा कि केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि आगामी वित्तीय वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर 6.6 फीसदी रहेगी। जिसके आधार पर विभिन्न रेटिंग एजेंसियां व आईएमएफ अनुमान लगा रहा है कि इस साल भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन यह विचारणीय प्रश्न यह है कि कुलांचें भरते शेयर बाजार और बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करते देश में एक आम आदमी के जीवन में धनात्मक वृद्धि नजर क्यों नहीं आ रही है? सवाल यह भी है कि यदि देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के दावे किए जा रहे हैं तो क्या देश में गरीबी, कुपोषण, असमानता की समस्या खत्म हो रही है? क्या स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षित सुधार हो रहा है? आखिर क्यों राजनीतिक लाभ-हानि के गणित से परे संवेदनशील ढंग से बेरोजगारी की समस्या के समाधान के गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते? जब हम यह कहते नहीं थकते कि देश दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश है तो क्या हम इन युवा हाथों को उनकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध करा पा रहे हैं? आखिर क्यों देश में युवाओं का तेजी से पलायन हो रहा है? क्यों वे छोटी-मोटी नौकरियों के लिये विदेश जाने की होड़ में लगे हैं? क्यों अपनी योग्यता से कम की नौकरी करने को मजबूर हैं।

देश दुनीया से

स्लम बस्तियों को भी विकास की प्रक्रिया से जोड़ने की ज़रूरत

पिछले एक दशक से चली आ रही स्वच्छ भारत अभियान योजना के बहुत सफल परिणाम सामने आने लगे हैं। सितंबर 2024 तक, भारत भर में 5।87 लाख से अधिक गांवों ने ओडीएफ प्लस का दर्जा हासिल कर लिया है, जिसमें 3।92 लाख से अधिक गांव ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली लागू कर रहे हैं और 4।95 लाख से अधिक गांव तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली स्थापित कर रहे हैं। वहीं अगर शहरी क्षेत्रों की बात करें तो इसी अवधि तक, 63 लाख से अधिक घरेलू शौचालयों और 6।3 लाख से अधिक सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण हुआ है। व्यापक सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से, स्वच्छता को भारत के शहरी विकास एजेंडे में सबसे आगे ला दिया है, जिससे शहर स्वच्छ और स्वस्थ बन गए हैं। लेकिन इन्हीं कुछ शहरों में आबाद स्लम बस्ती इस अभियान में कहीं पीछे छूटते नज़र आ रहे हैं। ऐसी ही एक स्लम बस्ती राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित बाबा रामदेव नगर है। जहां के निवासियों को आज भी बुनियादी सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यहां रहने वाले 37 वर्षीय राजेश बताते हैं कि बस्ती में नाली निकासी की कोई सुविधा नहीं है। घरों से निकला गंदा पानी बस्ती के मुख्य मार्ग पर बहता रहता है। जिसमें मक्खी और मच्छर पलते रहते हैं। साफ़-सफाई का यहां कोई इंतज़ाम नहीं है। वह बताते हैं कि दो वर्ष पूर्व जब जयपुर में मूसलाधार बारिश हुई थी तो नाली निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों के घरों में नाली का पानी बह रहा था। आना जाना सब कुछ ठप हो गया था। बस्ती में बीमारियां फ़ैल गई थी। कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने लोगों को खाना बांटा था, लेकिन वह भी बस्ती के बाहर से चले जाते थे। लोगों को खाने का पैकेट लेने के लिए उसी गंदे पानी से होकर गुज़रना पड़ रहा था। राजेश का कहना है कि सात साल पहले वह अच्छे रोज़गार की तलाश में राजसमंद से जयपुर इस बस्ती में आया था। लेकिन आधे से ज़्यादा कमाई बच्चों की दवाओं पर ही खर्च हो जाता है। वहीं एक अन्य निवासी 65 वर्षीय हंसराज वाल्मीकि बताते हैं कि बाबा रामदेव स्लम बस्ती 20 से अधिक सालों से आबाद है। पहले यह शहर का बाहरी छोर हुआ करता था। लेकिन बढ़ती आबादी के कारण अब यह शहर के अंदर ही कहलाता है। वह बताते हैं कि इन दो दशकों में बस्ती के आसपास कई कॉलोनियां आबाद हो गई। जिनमें बड़ी बड़ी इमारतें बन गई है। जो हर सुविधाओं से लैस है लेकिन इन दशकों में बाबा रामदेव बस्ती विकास की दौड़ में काफी पीछे रह गया है। यहां आज भी लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्राप्त करने के लिए भी रोज़ संघर्ष करनी पड़ती है। न तो पीने का साफ़ पानी उपलब्ध है और न ही नाली निकासी है। जिससे लोगों को गंदगियों के बीच ही जीवन यापन करना पड़ता है। हंसराज की पत्नी जशोदा बताती हैं कि कुछ वर्ष पूर्व तक बस्ती में महिलाओं के लिए शौचालय की सुविधा भी नहीं थी। लेकिन कुछ समाजसेवियों के प्रयास से बस्ती के बाहर एक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण हुआ है। लेकिन उसमें पानी की सुविधा नहीं है। जिससे अक्सर वह शौचालय गंदा रहता है। इसके कारण महिलाएं उस सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करने की जगह सुबह सवेरे बस्ती से कुछ दूर खुले में शौच को मजबूर हैं। जशोदा कहती हैं कि इस बस्ती की महिलाओं का जीवन बहुत कष्टदायक है। सबसे अधिक समस्या गर्भवती महिलाओं को प्रसव के समय होती है। जब किसी प्रकार का आवासीय प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण सरकारी अस्पताल वाले उनका इलाज करने से मना कर देते हैं। उनके पास इतना पैसा नहीं है कि वह निजी अस्पताल जाएं, इसलिए अप्रशिक्षित दाइयों के माध्यम से उनका प्रसव कराया जाता है। न्यू आतिश मार्केट मेट्रो स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित करीब 500 लोगों की आबादी वाले इस बस्ती में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े समुदायों की बहुलता है। जिसमें लोहार, जोगी, कालबेलिया, मिरासी, रद्दी का काम करने वाले, फ़कीर, ढोल बजाने और दिहाड़ी मज़दूरी करने वालों की संख्या अधिक है। यहां रहने वाले सभी परिवार बेहतर रोज़गार की तलाश में करीब 20 से 12 वर्ष पहले राजस्थान के विभिन्न दूर दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों से प्रवास करके आये हैं। इनमें से कुछ परिवार स्थाई रूप से यहां आबाद हो गया है तो कुछ मौसम के अनुरूप पलायन करता रहता है। यहां शिक्षा के साथ साथ पीने का साफ पानी सहित कई

बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इसका सबसे अधिक प्रभाव किशोरियों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर होता है। बस्ती की अधिकतर किशोरियां कुपोषण से ग्रसित हैं। वहीं आर्थिक समस्या उनके समग्र विकास में बाधा बन रही है। इस बस्ती में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी पूनम कहती है कि यहां 16 वर्ष की आयु तक लड़कियों की शादी हो जाना आम बात है। पौष्टिक आहार के अभाव में लगभग सभी किशोरियों में खून की कमी है। जिससे उनका शारीरिक विकास प्रभावित होता है। हालांकि बस्ती के बाहर संचालित आंगनबाड़ी सेंटर की दीदी समय समय पर यहां की किशोरियों से मिलकर उन्हें आयरन की गोलियां देती रहती हैं। इसके अतिरिक्त कुछ एनजीओ की दीदी भी बस्ती की किशोरियों के बीच सेनेटरी नैपकिन वितरित करती हैं और माहवारी के दौरान उन्हें साफ़ सफाई के बारे में बताती रहती हैं। वहीं 46 वर्षीय भागचंद बताते हैं कि चार साल पहले वह रोज़गार के सिलसिले में परिवार के साथ टोंक से जयपुर के इस बस्ती में रहने आये थे। वर्तमान में वह ई-रिक्शा चलाकर परिवार का गुज़ारा करते हैं। वह बताते हैं कि बस्ती में साफ़ सफाई का अभाव है। लोग खुले में घर का कचरा फेंक देते हैं। इसके अतिरिक्त आसपास की कॉलोनियों के लोग भी अपने घरों का कूड़ा बाबा रामदेव नगर बस्ती के बाहर ही फेंक देते हैं। जिससे उठने वाली बदबू से पूरे बस्ती का वातावरण दूषित होता रहता है। वह बताते हैं कि बुनियादी सुविधाओं के सिलसिले में प्रशासनिक स्तर पर बात की गई थी, लेकिन हमें यह बताया गया कि यह बस्ती अधिकृत भूमि पर नहीं बनी है। इसलिए यहां सभी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा सकती हैं। दरअसल हमारे देश की एक बड़ी आबादी आज भी ऐसी है जो शहरों और महानगरों में आबाद तो है, लेकिन वहां पर शहर के अन्य इलाकों की तरह सभी प्रकार की की सुविधाओं का अभाव है। शहरी क्षेत्रों में ऐसे इलाके ही स्लम बस्ती कहलाते हैं।

आप का नजरीया

विवाद की हकीकत

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के बीच विवाद हमेशा के लिए खत्म होना चाहिए। कोर्ट ने बृहस्पतिवार को यह बात उस याचिका को बंद करते हुए कही, जिसमें सड़क दुर्घटना में घायल लोगों के वैशलेस इलाज के लिए 'फरिश्ते योजना' को लागू करने की मांग की गईं थी। दरअसल दिल्ली में आए दिन इस तरह की कलह देखने को मिलती है कि किसी योजना को सरकार लागू करना चाहती है तो उपराज्यपाल रोक देते हैं और किसी योजना को केन्द्र सरकार लागू करती है तो दिल्ली सरकार अपने राज्य में उसे लागू नहीं करती। उपराज्यपाल वेंद्र सरकार का प्रातिनिधित्व करते हैं। इसलिए उनकी हर कार्रवाईं वेंद्र सरकार की सहमति से ही होती है। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना है कि दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच विवाद हमेशा के लिए खत्म होना चाहिए का तात्पर्य है कि वेंद्र और राज्य के बीच मचे टंटे से आम नागरिकों की मुसीबतें बढ़ती हैं। सच तो यह है कि दिल्ली वेंद्र शासित प्रादेश है। इसमें चुनी हुईं सरकार जरूर है किन्तु महत्वपूर्ण विषय वेंद्र सरकार के पास हैं इसलिए राज्य सरकार का तिलमिलाना स्वाभाविक है। यह स्पष्ट है कि जब दिल्ली सरकार किसी मुद्दे पर सहमति न बन पाने के कारण सुप्रीम कोर्ट जाती है तो वह नाति रूप से तो यही तर्व देती है कि वेंद्र एक चुनी हुईं सरकार के पैसलों को मानने से इंकार कर रहा है और इससे जनसामान्य का जीवन प्राभावित हो रहा है। वही वेंद्र सरकार के प्रातिनिधि यानि उपराज्यपाल के पास आईंएएस अधिकारियों के ट्रांसफर- पोस्टिंग का अधिकार है इसलिए दिल्ली के सभी अधिकारी उपराज्यपाल के प्राति

कांग्रेस के कारण 5-7 लाख लड़कियां ने छोड़ी पढ़ाई : शिक्षा मंत्री

जयपुर (हिंस)। शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने आज पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए, कहकर कि कांग्रेस के मूर्खतापूर्ण निर्णयों ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने प्राथमिक विद्यालयों को सीधे उच्च माध्यमिक विद्यालय बना दिया, जो विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ था। यह कदम बिना संसाधनों के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को क्रमोन्नत करना था, जो केवल उनकी शिक्षा को बाधित करने की साजिश थी। दिलावर रविवार को जयपुर में निम्स विश्वविद्यालय, चंदवाजी में आयोजित राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद (रेसा) राजस्थान के वार्षिक अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद राज्य के प्रधानाध्यापक, प्रधानाचार्य, जिला शिक्षा अधिकारी, उपनिदेशक, संयुक्त निदेशक एवं अतिरिक्त निदेशक कैडर की एकमात्र परिषद है। जो अपने कैडर के हितों की पेरवी के साथ-साथ सरकार को शिक्षा-शिक्षक-शिक्षार्थी हित हेतु रचनात्मक सकारात्मक सुझाव देती रहती है। मदन दिलावर

ने विशेष रूप से कहा कि अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों को शुरू करने से प्रदेश की बालिकाओं को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण 5 से 7 लाख लड़कियां अपनी पढ़ाई छोड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की स्थापना का सबसे बुरा असर छात्रों पर पड़ा, क्योंकि हिंदी मीडियम स्कूलों को अंग्रेजी में बदलने से छात्राओं का नामांकन तेजी से घटा और विद्यालय की दूरी के कारण कई लड़कियां पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं। शिक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने प्रदेश में बालिकाओं को शिक्षा से वंचित करने के लिए एक साजिश रची थी। वे राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद (रेसा) के वार्षिक अधिवेशन में बोल रहे थे, जो निम्स विश्वविद्यालय, चंदवाजी में आयोजित किया गया था। राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण गोदारा ने राज्य सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए शिक्षा मंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि इन निर्णयों से सार्वजनिक स्कूल शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आएंगे। इसके साथ ही, शिक्षा मंत्री ने प्रैक्टिकल परीक्षाओं में एक्सटर्नल शिक्षकों द्वारा बच्चों से राशि संग्रहित करने की घटनाओं पर भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी विद्यालय में ऐसा पाया गया तो संबंधित प्रिंसिपल और शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नानी बाई रो मायरो कथा मैं भरा 56 करोड़ का मायरा

जयपुर (हिंस)। गुलाबी नगरी के प्रमुख आराध्य ठिकाना मंदिर गोविंद देव जी के सत्संग भवन में आयोजित तीन दिवसीय नानी बाई रो कथा महोत्सव का रविवार को अपार जनसमूह के जयकारों के बीच विश्राम हुआ। इस मौके पर व्यास पीठ से लब्ध प्रतिष्ठित कथा वाचक श्रीनिवास शर्मा ने अपने प्रवचनों में बताया कि नरसी जी ठाकुर जी से नानी बाई से मिलने के बाद नानी बाई को आश्वासन देते हैं कि ठाकुर जी मायरा भरने जरूर आएंगे। नानी बाई को आश्वासन देने के बाद नरसी जी ठाकुर जी से बहुत ही गहन प्रार्थना करते हैं। इसके बाद नरसी जी की व्यथा-गाथा सुनकर ठाकुर जी प्रसन्न होकर अपना द्वारकाधीश का राजसी श्रृंगार त्याग देते हैं और भाई बनकर पचरंगी बागा और केसरिया कपड़ा पहनकर बहन का मायरा भरने आते हैं। इसके बाद भगवान 56 करोड़ का दिव्य रूप से अपनी बहन का मायरा भरते हैं। इस विशेष अवसर पर पूरे नगर अंजार में ठाकुर जी ने स्वर्ण की बरसात कराई तो पूरा अंजार नगर आश्चर्यचकित रह गया और सभी सगे संबंधियों सहित पूरे गांव को मायरा भर कर तृप्त कर दिया।

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को संरक्षित और प्रोत्साहित करने की जरूरत : केबीनेट मंत्री खराड़ी

भीलवाड़ा (हिंस)। राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने रविवार को जिले के मोतीबोर का खेड़ा स्थित श्री नवग्रह आश्रम सेवा संस्थान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आश्रम की गतिविधियों का जायजा लेते हुए कैंसर सहित अन्य रोगों के उपचार में उपयोग होने वाली चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी प्राप्त की। आश्रम पहुंचने पर संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष हंसराज चैधरी ने केबिनेट मंत्री खराड़ी और उनकी पत्नी का पारंपरिक साफा बांधकर व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस मौके पर उन्हें आश्रम का साहित्य भेंट किया गया। चैधरी ने मंत्री खराड़ी को आयुर्वेद और पादप चिकित्सा पद्धति की विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आश्रम के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन कराते हुए नवग्रह वाटिका, नवग्रह गौदर्शन गौशाला और नवग्रह पिरामिड के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री खराड़ी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद आयुर्वेद की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। मंत्री खराड़ी ने श्री नवग्रह आश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा, यह संस्थान न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश का गौरव है। इसने आयुर्वेद की ख्याति को भारत ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर बढ़ाने का काम किया है। यहां का औषधीय उपवन दुर्लभ और अद्वितीय है। देशी गायों के संरक्षण और संवर्धन में आश्रम द्वारा किए जा रहे कार्यों से मैं अत्यंत प्रभावित हुआ हूं। आयुर्वेद के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थानों का विकास हमारे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर नवग्रह आश्रम के महिपाल चोधरी, जितेंद्र चोधरी, डॉ. पंकज सैनी, आसींद के तहसीलदार और सरपंच देव लाल जाट सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। सरपंच जाट ने क्षेत्र की समस्याओं के संबध में मंत्री खराड़ी को ज्ञापन भी सौंपा।

जम्मू-कश्मीर में राजस्थान के दो जवान शहीद

जयपुर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार (4 जनवरी) को सेना का एक ट्रक खाई में गिर गया। हादसे में चार जवान शहीद हो गए। शहीद हुए जवानों में से दो राजस्थान के थे। एक जवान की पहचान नागौर के हवलदार हरिराम के तौर पर हुई है, जबकि दूसरे जवान का नाम बहरोड़ के लांस नायक नितीश कुमार था। रविवार को हरिराम और नितीश की पार्थिव देह उनके पैतृक गांव लाने की प्रक्रिया शुरू की गई। हरिराम रेवाड़ की पार्थिव देह रविवार को चंडीगढ़ पहुंची, जहां से उसे सेना के विमान से बीकानेर भेजा जाएगा और फिर बीकानेर से सैन्य वाहन द्वारा उनके गांव लाया जाएगा। शहीद हरिराम रेवाड़ के एक बेटा और एक बेटी हैं। उनके पिता किसान हैं और बड़े भाई रिटायर्ड कर्मचारी हैं। वहीं नितीश कुमार की शहादत की खबर पर उनके चाचा अजीत सिंह यादव की भी एक अलग हादसे में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अजीत सिंह यादव सीआरपीएफ में सब-इंस्पेक्टर थे, रविवार सुबह छत से गिर गए और अस्पताल में उनका निधन हो गया। नितीश कुमार की शहादत की खबर अभी तक उनकी मां और पत्नी को नहीं दी गई है। नितीश की पत्नी रिंकू और मां को खबर न देने के पीछे गांव के लोग और परिवार के सदस्य सुरक्षा कारणों से शोक व्यक्त करने से रोक रहे हैं। नितीश कुमार की पत्नी जयपुर में वेटनरी कंपाउंडर की कोचिंग कर रही हैं, और उनका एक 2 साल का बेटा धैर्य है। अजीत सिंह यादव, जो हरियाणा में सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में तैनात थे, 2005 में सिपाही के रूप में सीआरपीएफ से जुड़े थे। उनका निधन न केवल परिवार, बल्कि पूरे गांव के लिए एक दुखद घटना है।

हरियाणा एक मात्र राज्य, जहां सबसे ज्यादा फसलों की एमएसपी पर हो रही खरीद : श्याम सिंह राणा

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि हरियाणा देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां सबसे अधिक फसलों की खरीद एमएसपी पर हो रही है। कृषि मंत्री ने रविवार को हलके के गांव गोलनपुर, फर्कपुर सहित दर्जन भर गांवों का धन्यवादी दौरा कर हलके की जनता का आभार व्यक्त किया। श्याम सिंह राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सभी वर्गों को साथ लेकर हरियाणा को और आगे ले जाने का काम किया जा रहा है। प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि जो विकास कार्य रह गए है या अधूरे पड़े हैं उन सभी विकास कार्यों को जल्द पूरा कर दिया जाएगा ताकि जनता को उनका लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा हर क्षेत्र में हर वर्ग के हित में योजनाएं बनाई जा रही हैं तथा महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में भी विशेष रूप से कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे हलके की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि वे जनता के विश्वास व उनकी उम्मीदों को कभी कम नहीं होने देंगे। उनका सबसे अधिक ध्येय जनता की समस्याओं के समाधान एवं हलके में अधिक से अधिक विकास कार्य करवाने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि यह मेरी जीत नहीं बल्कि हलके की जनता की जीत है। उन्होंने इस दौरान लोगों की समस्याएं भी सुनी और उनका शीघ्र समाधान करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आप लोगों के सहयोग से लगातार प्रदेश में प्रचंड बहुमत हासिल कर तीसरी बार सरकार बनाकर इतिहास रचा है। यह भाजपा के शासन में हुए विकासात्मक योजनाओं व होने वाले विकास कार्यों की जीत है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश में एक ऐसा राज्य है, जहां पर किसानों की सबसे अधिक फसलें एमएसपी पर खरीद की जा रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह पर चादर पेश

अजमेर (हिंस)। ख्वाजा गरीब नवाज के 813वें उर्स के मौके पर रविवार को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से अजमेर शरीफ की दरगाह पर विशेष चादर पेश की गई। दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष मुनव्वर खान ने मजार शरीफ पर चादर पेश की और देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी। मुनव्वर खान ने चादर पेश करने के बाद दरगाह के बुलंद दरवाजे से राजनाथ सिंह का संदेश भी पढ़ा। राजनाथ सिंह ने अपने संदेश में कहा कि महान सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती जी के 813वें उर्स का आयोजन एक ऐतिहासिक और श्रद्धापूर्ण अवसर है, जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु अजमेर शरीफ में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि ख्वाजा साहब का जीवन और उनका शिक्षण हम सभी को आपसी भेदभाव भूलकर एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देता है। रक्षा मंत्री ने संदेश में यह भी उल्लेख किया कि ख्वाजा साहब की दरगाह पर सभी धर्मों और संप्रदायों के लोग श्रद्धा भाव से आते हैं, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सहिष्णुता को प्रदर्शित करता है। उर्स के इस पवित्र अवसर पर उन्होंने सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी और ख्वाजा साहब के आशीर्वाद से देश में शांति और समृद्धि की कामना की।

गुरु गोबिंद सिंह प्रकाशोत्सव पर हुआ नगर कीर्तन का आयोजन

जींद (हिंस)। कलगीधर पातशाह गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व को समर्पित नगर कीर्तन का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पालकी साहिब में सुजज्जित श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष माथा टेककर अपनी खुशी का इजहार किया। गुरूघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह के अनुसार नगर कीर्तन में गुरु ग्रंथ साहिब की अगुवाई पंज प्यारे कर रहे थे व सेवादार अपने गुरु के आगमन की खुशी में फूलों की वर्षा करते चल रहे थे तथा सुखमनी सेवा सोसायटी की सेवादार आगे-आगे झाड़ू की सेवा कर रहे थे। जबकि गुरु तेग बहादुर शब्दी जत्था पालकी साहिब के पीछे अन्य गुरुद्वारों के शब्दी जत्थों एवं संगतों के सहयोग से शब्द कीर्तन गायन करते हुए चल रहे थे। सुखमनी सेवा सोसायटी का जत्था श्री सुखमनी साहिब की बानी का जाप करते चल रहा था तथा स्थानीय गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी भाई जसबीर सिंह रमदसिया का जत्था निरोल बाणी का शब्द कीर्तन गायन करते हुए नगर कीर्तन की शोभा बढ़ा रहे थे। दिल्ली से आए फोरटीन मिलिट्री बैंड ने भी नगर कीर्तन को चार चांद लगा रखे थे। गुरूघर प्रवक्ता बलविंद्र सिंह ने बताया कि शहर में जगह-जगह स्वागत द्वार बना कर

श्रद्धालुओं ने नगर कीर्तन का स्वागत किया तथा नगर कीर्तन में शामिल संगतों के लिए ब्रेड पकौड़े व चाय दूध के लंगर लगाए गए। रुपया चौक पर स्थानीय विधायक एवं विधानसभा डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा की तरफ से संगतों के लिए विशेष रूप से कॉफी तथा मिठाई का स्टॉल लगाया गया। नगर कीर्तन में रणजीत अखाड़ा गतका दल के सेवादारों व श्री गुरु तेग बहादुर गतका दल की छोटी-छोटी लड़कियों ने तलवार बाजी, युद्धकला व लाठी चलाने तथा आत्मरक्षा के शानदार अपने अपने जौहर दिखाए। पंजाब से विशेष रूप से मंगवाए गए म्युजिकल ग्रुप ने गुरु गोबिंद सिंह की शहादत से संबंधित धार्मिक गीत सुना कर संगतों का मन मोह लिया।

नाबालिग के साथ अमानवीय व्यवहार करने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार

मीरजापुर (हिंस)। हलिया थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्चे के साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने विशेष टीम गठित कर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। चार जनवरी को हलिया पुलिस ने सोठिया चौराहे के पास से सात आरोपियों पन्नालाल, बब्लू उर्फ इंद्रबहादुर, सुरेंद्र कुमार, आशीष कुमार उर्फ रामभरोस, आत्माराम अग्रहरी, मनोज कुमार पटेल, और कृष्ण बहादुर उर्फ धीरज पटेल को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह और उनकी टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

महाकुंभ मेले को उड़ाने की धमकी देने वाला आरोपी बिहार से गिरफ्तार

आरापी ने फर्जी आईडी से दी धमकी, धमकाने के बाद भाग गया था नेपाल

महाकुंभ नगर (हिंस)। प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले को उत्तर प्रदेश पुलिस ने बिहार के पूर्णिया जिले से गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंभ मेला राजेश कुमार द्विवेदी ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपी का नाम आयुष कुमार जायसवाल है। उसने सोशल मीडिया पर *नासिर पठान* के नाम की फर्जी आईडी से धमकी दी थी। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई। लोकेशन के आधार पर प्रयागराज पुलिस ने बिहार पुलिस के साथ मिलकर पुर्णिया के शहीदगंज पंचायत के वार्ड नंबर चार से आयुष को धर दबोचा। बिहार के भवानीपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि यूपी पुलिस आरोपी आयुष को गिरफ्तार कर अपने साथ

ले गई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि 31 दिसंबर 2024 को धमकी देने के बाद आरोपी नेपाल भाग गया था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नेपाल में वह किन लोगों से मिला और वहां उसकी गतिविधियां क्या थीं। यह भी जांच हो रही है कि इस साजिश में उसका कोई साथी शामिल था या नहीं। पूर्णिया के पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि यूपी पुलिस आरोपी को प्रयागराज ले जाकर पूछताछ कर रही है। साथ ही, स्थानीय पुलिस भी उसके संपर्कों और नेपाल यात्रा की गहराई से जांच कर रही है। फर्जी आईडी से धमकी देना इस मामले को और गंभीर बनाता है। यूपी पुलिस ने आयुष के खिलाफ महकुंभ मेला क्षेत्र के परेड कोतवाली में कई धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस की प्राथमिकता यह पता लगाना है कि धमकी देने में आयुष अकेला था या यह किसी बड़े साजिश का हिस्सा है। कोतवाली पुलिस इस संबंध में विधिक कार्रवाई कर रही है।

महाकुंभ में अखाड़े की 52 मढ़ियां आज की हैं बटालियन : महंत यमुनापुरी जी महाराज

अखाड़े की 52 मढ़ियां 52 शक्ति पीठों की प्रतीक : महंत यमुनापुरी जी महाराज

महाकुंभ नगर (हिंस)। तीर्थराज प्रयाग में संगम के किनारे अखाड़ों के तंबू सज चुके हैं। एक ओर भारत का सनातन लोक पवित्र त्रिवेणी में डुबकी लगाने को आतुर है तो दूसरी ओर अखाड़ों की 52 मढ़ियों के संत अपनी-अपनी धुनी लगाकर कुटियों के सामने साधनारत हो चुके हैं। इनके दर्शन मात्र से श्रद्धालु अपने को धन्य मान रहे हैं। ये मढ़िया क्या हैं आइये संत की वाणी से जानते हैं। संन्यासी परम्परा में प्रवेश करने के लिए सबसे पहले मढ़ियों में दीक्षा लेनी होती है, यहीं से संन्यासी बनने की प्रारम्भिक प्रक्रिया शुरू होती है। अखाड़ों की 52 मढ़ियां 52 शक्ति पीठों की प्रतीक हैं। ये मढ़ियां चार मठों से ही निकली हुई हैं। ये कहीं-न-कहीं चार मठों से जुड़ी हुई हैं। चार आम्नाय हैं, चार वेद हैं, ये चारों वेदों से भी संबंधित हैं। ये सब एक सूत्र में बंधे हुए हैं। ये सब शक्ति की प्रतीक हैं। अखाड़ों की 52 मढ़िया आज के समय में हिंदू धर्म की रक्षा के लिए एक प्रकार से बटालियन हैं। यह बातें श्रीपंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव महंत यमुनापुरी जी महाराज ने हिंदुस्थान समाचार से एक विशेष वार्ता में

कही। उन्होंने कहा कि इन मढ़ियों के अलग-अलग कार्यक्षेत्र होते थे। ये जो अखाड़े बने थे, ये विशुद्ध रूप से शस्त्रधारी नागाओं के लिए बने थे, जिन्हें शास्त्र की दीक्षाएं, वेद-वेदांत, उपनिषद का ज्ञान प्राप्त करना था, वह मठों में ही रहते थे। उन्होंने बताया कि मठों से अखाड़ों में वहीं सन्यासी आए जो विशुद्ध रूप से सनातन धर्म की रक्षा के लिए युद्ध को चुना। उस समय इनके पास कोई चारा नहीं बचा था। कोई उपदेश नहीं मान रहा था। विदेशी आक्रांताओं द्वारा बहन, बेटियों एवं माताओं की अस्मत लुटी जा रही थी। मठ, मंदिर, गुरूकुल सारी व्यवस्थाएं विध्वंस की जा रही थी। विदेशी आक्रांताओं का हिंदू समाज में कितना अत्याचार सहा है, आज हमसब कल्पना नहीं कर सकते हैं। इन परिस्थितियों में साधु-संतों को शस्त्र उठाना पड़ा था। इन्होंने कई मठ व मंदिरों की रक्षा की। इन नागाओं को आज भी धर्मयोद्धा कहा जाता है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य है कि आजादी के बाद भी मठ-मंदिरों एवं साधु-संतों के बलिदानी इतिहास को सही से नहीं लिखा गया। पण्डित नेहरू ने इतिहास लेखन का कार्य कम्युनिष्टों को देकर भारत के गौरवशाली इतिहास को विकृत कर दिया। उन्हें महिमा मंडित किया गया, उन्हें प्रामाणिक लेखक माने गए। पण्डित नेहरू के कार्यकाल में बाहरी आक्रांताओं को महान भी घोषित किया गया और हमारे राष्ट्र के प्रति न्योछावर होने वाले वीर योद्धाओं को कोई स्थान नहीं दिया गया। इतना ही नहीं इन विकृत इतिहास हमारे बच्चों के दिमागों में भर दिया गया। बच्चों के कच्चे मस्तिष्क होते हैं उन्हें वही विकृत इतिहास पढ़ाया गया, वह आज उसे ही सत्य मानते हैं। इन लोगों ने महाराजा विक्रमादित्य, छत्रपति शिवाजी, महारानी लक्ष्मी बाई, तात्यां टोपे के बारे में क्या लिखा। हमलोगों ने तो अपने इतिहास को मौखिक रूप से ही याद करते आए हैं, और उसे ही पीढ़ियों में बताते रहते हैं। उन्होंने कहा कि महानिर्वाणी पंचायती अखाड़ों के साधु व संतों ने काशी के बाबा विश्वनाथ मंदिर को मुगलों को बचाया। उन्होंने बताया कि मढ़ियों की व्यवस्था आज भी कायम है। मढ़ियों से दावे हैं, और दावों से फिर अखाड़े हैं। ऐसी ही हमारे यहां कई पदवियां हैं। मढ़ी के संत ही सभी पदों के लिए पदाधिकारियों को चुनते हैं। अखाड़े में सर्वोच्च पद अध्यक्ष का होता है। जिन्हें आप वर्तमान की शासन व्यवस्था में राष्ट्रपति कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ सनातनियों को धर्म से जोड़ने वाला समागम है। यहां संत, गृहस्थ समेत सभी श्रद्धालु भक्ति की रसधार में गोता लगायेंगे। यह भक्ति, ज्ञान व कर्म का समागम है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यहां भक्तजन पर्यटन या पिकनिक के भाव से न आएं, बल्कि अध्यात्मिक व तीर्थाटन के भाव से आएं और यहां असीम प्रवाहित ऊर्जा को अपने जीवन में संचित करें।

भागलपुर में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

भागलपुर (हिंस)। नए साल में भागलपुर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। शहर को जाम से निजात दिलाने का जिम्मा न केवल नए एसएसपी ने उठाया है, बल्कि नए सिटी एसपी शुभांक मिश्रा भी इस अभियान में शामिल हो गए हैं। तिलकामांझी से लेकर जीरो माइल तक अक्सर लोगों को जाम की समस्या से रुबरु होना पड़ता है। जिसको लेकर रविवार को सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने अतिक्रमण करने वाले दूकानदारों पर न केवल फाइन किया बल्कि उनको सख्त चेतावनी भी दिया। इस दौरान सिटी एसपी ने नो पार्किंग जोन मे गाड़ी खड़ी करने वाले एवं जहां तहां ऑटो और ई-रिक्शा खड़ा करने वाले लोगों को भी चेतावनी दिया। सिटी एसपी ने बताया की सभी को यातायात के नियमों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि व्यवसायी अपनी दुकान ऐसी जगह ना लगाएं जिससे आने जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़े।

तीन दिन की तेजी के बाद सर्राफा बाजार में गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

तीन दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में 450 रुपये से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये से लेकर 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये से लेकर 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बंधन बैंक का तिमाही परिणाम 15 फीसदी बढ़ा, डिपॉजिट में 20 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। निजी बैंकिंग कंपनी बंधन बैंक ने अपने वित्त साल की तिसरी तिमाही के लिए रिजल्ट जारी कर दिया है। बैंक ने दिसंबर को समाप्त हुई तिमाही में विभिन्न सेक्टर में दरों और आंकड़ों में वृद्धि की जानकारी जारी की है। इस तिमाही में बैंक ने लोन और एडवांस में सालाना 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह आंकड़ा 1,33,285 करोड़ तक पहुंच गया है। यह एक प्रासंगिक वृद्धि है जो बैंक की समृद्धि को साबित करती है। साल दर साल तिमाही आधार पर बैंक की कुल जमा राशि में 20.1 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो सुझाव देती है कि बैंक की व्यापक वित्तीय सेवाओं की मांग में वृद्धि हुई है। बैंक के सीएएसए जमा में भी 5.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो एक सकारात्मक चिन्ह है। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण बैंक की वित्तीय सेवाओं में विश्वासनीयता और सुविधा है। बंधन बैंक की सीएएसए रेश्यो अब 31.7 फीसदी है, जो एक साल पहले की स्थिति की तुलना में कम है।

निफा ग्रुप ने 180 करोड़ की विस्तार योजना बनाई, कंपनी अमेरिकी कंपनी का अधिग्रहण करेगी

कोलकाता । इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनी निफा ग्रुप ने अपनी 65वीं वर्षगांठ पर एक निवेश रणनीति पेश की। इसमें अगले दो वर्षों में भारत में परिचालन के लिए 180 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। विस्तार योजनाओं के तहत कंपनी ने एक अमेरिकी कंपनी का अधिग्रहण करने की अपनी योजना की घोषणा की, जिससे उसके सबसे बड़े बाजार में निकटवर्ती उपस्थिति मजबूत होगी तथा 'चीन प्लस वन' रणनीति का लाभ उठाया जा सकेगा। निफा ग्रुप के चेयरमैन ने कहा कि हम इस क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। पश्चिम बंगाल में दानकुनी और चंदननगर में दो नई परियोजनाएं तथा फाल्टा में एक विस्तार परियोजना संभावित रोजगार अवसर पैदा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में हमारे 2,000 से अधिक कर्मचारी और सात परिचालन इकाइयां हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी अधिग्रहण के लिए बातचीत चल रही है। कंपनी भारत से 30 से अधिक देशों को उत्पाद निर्यात करती है।

माइक्रोसॉफ्ट एआई और डेटा सेंटर्स में करेगा 80 बिलियन डॉलर का निवेश

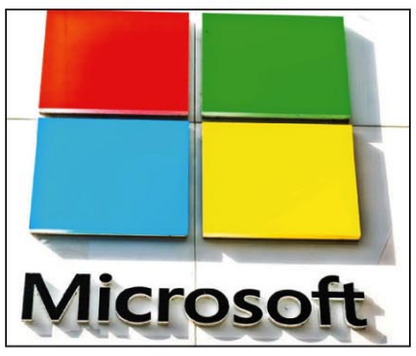

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने वित्तीय वर्ष 2025 में लगभग 80 बिलियन डॉलर का निवेश करने का ऐलान किया है। यह निवेश बड़े-बड़े डेटा सेंटर्स बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तकनीक को और पावरफुल बनाने पर किया जाएगा। 2022 में ओपन एआई के चेटजीपीटी लॉन्च होने के बाद एआई की दुनिया में हलचल मच गई है। इसका असर है कि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट्स और सर्विसेस में एआई का इस्तेमाल बढ़ा रही है। एआई को चलाने के लिए तेजी से काम करने वाले डेटा सेंटर्स की जरूरत है, जिनमें हजारों चिप्स जुड़े होते हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने पहले ही एआई के लिए ठोस निवेश किया है और वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी का पूंजीगत खर्च 84.24 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयरमैन ने बताया कि इस निवेश का अधिकांश हिस्सा अमेरिका में किया जाएगा, जिससे कंपनी की डेटा सेंटर्स की ताकत बढ़ेगी। माइक्रोसॉफ्ट अपने 365 कोपीलॉट को और बेहतर बनाने के लिए एआई मॉडल्स का इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी चाहती है कि लागत कम हो और स्पीड बेहतर हो, इसलिए अब यह ओपन एआई के साथ-साथ दूसरे एआई मॉडल्स का भी इस्तेमाल करेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने साफ किया है कि यह कदम केवल उनकी साझेदारी को बढ़ाने के लिए है और कंपनी के पास ओपनएआई के मॉडल्स को कस्टमाइज करने का अधिकार भी हेगा।

अगले सप्ताह 7 नए आईपीओ की लॉन्चिंग 6 कंपनियों के शेयर की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली

सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान नए आईपीओ की लॉन्चिंग और शेयरों की लिस्टिंग से प्राइमरी मार्केट में हलचल बनी रहने वाली है। 6 जनवरी से शुरू हो रहे इस सप्ताह में 7 नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इसके साथ ही पिछले सप्ताह लॉन्च हुए तीन आईपीओ में भी इस सप्ताह बोली लगाई जा सकेगी। इसी तरह सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान 6 कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करने जा रही हैं।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 6 जनवरी को स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का 410.05 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस आईपीओ की क्लोजिंग 8 जनवरी को होगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 133 से 140 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 107 शेयर का है। कंपनी के शेयर 13 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। 6 जनवरी को ही इंडोबेल इंसुलेशन का 10.14 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस आईपीओ में भी 8 जनवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए प्रति शेयर 46 रुपये का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 13 जनवरी को होगी।

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार 7 जनवरी को इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट कैपिटल इंफ्रा ट्रस्ट इनविट अपना 1,578 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू ओपन करने वाला है। ये इश्यू 9 जनवरी को क्लोज होगा। कैपिटल इंफ्रा ट्रस्ट इनविट के यूनिट्स के लिए 99 से 100 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 यूनिट का है। इश्यू क्लोज होने के बाद 14 जनवरी से बीएसई और एनएसई पर इसके यूनिट्स की ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी। 7 जनवरी को ही क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक का 290 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 9 जनवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 275 से 290 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 50 शेयर का है। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

इसी दिन बीआर गोयल इंफ्रास्ट्रक्चर का 85.21 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 9 जनवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 128 से 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 14 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। 7 जनवरी को ही डेल्टा ऑटोकॉर्प का 54.60 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 9 जनवरी को होगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 123 से 130 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इसके अलावा अवैक्स एपारेल्स एंड ऑर्नामेंट्स का 1.92 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू भी 7 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद 9 जनवरी को क्लोज होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए प्रति शेयर 70 रुपये का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। अगले सप्ताह लॉन्च होने वाले इन 7 आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 2 जनवरी को खुले परमेश्वर मेटल के 24.74 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल यानि सोमवार तक बोली लगाई जा सकेगी। कंपनी के शेयर 9 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह डेविन संस के 8.78 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल तक बोली लगाने का मौका है। ये आईपीओ 2 जनवरी को ओपन हुआ था और अभी तक 12.53 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। कंपनी के शेयर 9 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इसके अलावा पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 3 जनवरी को ओपन हुए फैबटेक टेक्नोलॉजीज के 27.74 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार 7 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ के तहत 80 से 85 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। अभी तक ये आईपीओ 20 प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका है। कंपनी के शेयर 10 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान 6 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होंगे। इनमें मंगलवार 7 जनवरी को इंडो फार्म इक्विपमेंट के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसी तरह मंगलवार को ही टेक्निकेम ऑर्गेनिक्स के शेयरों की लिस्टिंग बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

भारतीय मूल की कंपनियों ने करीब 20 प्रतिशत एच1बी वीजा हासिल किए

नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा जारी किए गए एच1बी वीजाधारकों का करीब एक-पांचवां हिस्सा भारतीय मूल की प्रौद्योगिकी कंपनियों ने हासिल किया है, इसका पता अमेरिकी आव्रजन विभाग के आंकड़ों से चलता है। इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस दौरान सबसे आगे रही हैं। अप्रैल-सितंबर, 2024 की अवधि में भारतीय तकनीकी कंपनियों को जारी किए गए कुल 1.3 लाख एच1बी वीजा में से लगभग 24,766 वीजा भारतीय मूल की कंपनियों को जारी किए गए। इनमें से इन्फोसिस ने 8,140 लाभार्थियों के साथ अग्रणी स्थान हासिल किया। उसके बाद टीसीएस (5,274) और एचसीएल अमेरिका (2,953) का स्थान रहा। अग्रणी होने की दिशा में इन्फोसिस के एक अधिकारी कहते हैं, हमारी जिम्मेदारी उत्कृष्टता की ओर साथ ऊंचाईयों की तरफ जाना है। विभिन्न भारतीय कंपनियां जैसे टेक महिंद्रा, विप्रो, और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इस चरण में भी उभरती हैं। इस कार्यक्रम से लाभान्वित होकर, ये कंपनियां न केवल एच1बी वीजाधारकों के लिए सर्वाधिक पसंदीदा नियोक्ताओं में शामिल हो रही हैं, बल्कि अमेरिका में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में भी अग्रणी बन रही हैं। इस कार्यक्रम का भविष्य अमेरिकी कंपनियों के कुशल कार्यकर्मियों की जरूरत पर निर्भर होगा, जबकि उन्हें नियामकीय परिवर्तनों और सार्वजनिक मत को ध्यान में रखते हुए अपने नौकरियों को रक्षित रखने के लिए पहल करनी होगी। टेस्ला के उद्योगपति एलन मस्क ने भी इस कार्यक्रम की महत्वता को स्वीकार किया है और उसे समर्थन दिया है। इस कार्यक्रम से संबंधित मस्क के तांत्रिक कहने पर कंपनियों के लिए अमेरिका में विदेशी कार्यकर्मियों की महत्वपूर्णता को दिखाने की तय हो गई है। अमेरिकी नीतिकर्मियों की सुधार और सुरक्षितता से संबंधित निर्णय होंगें।

इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे आगे रही

घटी खपत

दाल-अनाज की खपत पांच फीसदी घटी

नायरा एनर्जी प्रतिदिन एक पेट्रोल पंप जोड़कर अपना खुदरा नेटवर्क बढ़ाएगी

गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में विस्तार करने की योजना

नई दिल्ली

भारतीय ईंधन खुदरा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी नायरा एनर्जी ने इस साल अपने खुदरा नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 400 पेट्रोल पंप जोड़ने की योजना बनाई है। नायरा एनर्जी के देशभर में 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप हैं, और कंपनी अपने नेटवर्क में लगातार नए पेट्रोल पंप जोड़ रही है। गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में तेजी से विस्तार करने की योजना बनाई गई है।

कंपनी ने बयान में कहा कि वे इस साल 400 नए खुदरा आउटलेट जोड़ने के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। परिवहन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आक्रामक रूप से विस्तार की योजना के तहत, कंपनी ने नए डीलर शामिल करने और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने डीलर कार्यक्रम को भी नया रूप दिया है। नायरा एनर्जी देशभर में सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जनप्रिय है। इसके साथ ही, कंपनी हाल ही में 4,50,000 टन सालाना के पॉलीप्रॉपिलीन संयंत्र के साथ पेट्रोरसायन क्षेत्र में उतरी है। नायरा एनर्जी के ईंधन स्टेशन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए विभिन्न प्रकार के उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हैं। इस स्वर्णिम योजना के तहत, नायरा एनर्जी उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट और सुरक्षित सेवाएं प्रदान करने के लिए आगे बढ़ रही है।

वैश्विक संकेत, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की चाल: विश्लेषक

वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभावित करेगा

मुंबई

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस सप्ताह गुरुवार से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ तिमाही नतीजों का सीजन शुरू होने जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभावित करेगा। एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजों की शुरुआत इसी सप्ताह होने जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस और टाटा एलेक्सी गुरुवार नौ जनवरी को अपनी वित्तीय नतीजों की घोषणा करेंगी। निवेशकों की निगाह

व्यक्तिगत शेयरों के प्रदर्शन पर रहेगी।

उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजों के बाद बाजार का ध्यान आगामी आम बजट और डोनाल्ड ट्रंप 2.0 प्रशासन के नीतिगत निर्णयों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध बिकवाल रहे हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लिवाल बने हुए हैं। एफआईआई और डीआईआई के बीच इस तरह का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और यह इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि नए साल के दूसरे सप्ताह को देखते हुए कई प्रमुख घटनाक्रम बाजार की धारणा प्रभावित कर सकते हैं।

तिमाही नतीजों की शुरुआत टीसीएस के साथ होगी। तीसरी तिमाही के बेहतर नतीजों से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी का रुख पलट सकता है। इसके अलावा आगे के संकेतों के लिए निवेशकों की निगाह एचएसबीसी सेवा पीएमआई और औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों पर रहेगी। आगे बाजार कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों पर निगाह रखेगा। उम्मीद की जा रही है कि कंपनियों के तिमाही नतीजों में इससे पिछली तिमाही की तुलना में सुधार देखने को मिलेगा।

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी को मिली 1,000 मेगावॉट की सौर परियोजना, कंपनी को यूपीपीसीएल से परियोजना के आवंटन पत्र का इंतजार

नई दिल्ली। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) से 1,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना हासिल कर ली है। एनटीपीसी आरईएल ने 2.56 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर पर 1,000 मेगावाट क्षमता की परियोजना प्राप्त की है। अभी कंपनी को यूपीपीसीएल से इस परियोजना के आवंटन पत्र का इंतजार है। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी आरईएल), एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। यह यूपीपीसीएल द्वारा आयोजित ई-रिवर्स नीलामी में सफल बोलीदाता के रूप में उभरी है। इस नीलामी का उद्देश्य शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के जरिये भारत में 2,000 मेगावाट आईएसटीएस-कनेक्टेड सौर पीवी बिजली परियोजनाओं की स्थापना को सौर ऊर्जा डेवलपर का चयन करना था।

रोहित की तरह दो दशक पहले गांगुली भी मैच से हटे थे

सिडनी

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर बैठने से साल 2004 याद आ गया। उस समय भी कप्तान रहे सौरव गांगुली ने पिच देखने के बाद खेलने से मना कर दिया था। गांगुली ने जहां फिटनेस के आधार पर वहीं रोहित ने खराब फार्म के नाम पर टीम से बाहर बैठने का फैसला किया था। इससे साफ है कि दोनो को पिच देखकर समझ आ गया था कि यहां सफल होना उनके लिए कठिन है। रोहित ने इस प्रकार दिखाया कि टीम के केवल उनके कारण ही नहीं हार रही थी बल्कि इसके पीछे सभी की विफलता थी। इसके अलावा वह एक और असफल टेस्ट

अपने रिकॉर्ड में नहीं जोड़ना चाहते थे। अंतिम मैच में भारतीय पहली पारी 185 और दूसरी पारी 157 रन ही बना पायी।

वहीं दो दशक पहले साल 2004 में नागपुर में भारतीय टीम तीसरा टेस्ट खेलने पहुंची थी। तब सीरीज में ऑस्ट्रेलिया 1-0 से आगे थी। नागपुर पहुंचते ही जब भारतीय टीम अभ्यास के लिए मैदान पर पहुंची तो पिच पर हरियाली देखकर कप्तान रहे गांगुली भड़क गये। इसके बाइ भारतीय बोर्ड ने पिच को लेकर नाराजगी जतायी लेकर उसे बदला नहीं जा सका। इसके बाद गांगुली ने हैमस्ट्रिंग इंजरी को कारण बताते हुए मैच खेलने से इंकार कर दिया। उस समय भी भारतीय टीम मैच तीन दिन में हार गई।

ऐसे में जिस प्रकार तब गांगुली का फिटनेस की वजह से बाहर मैच ना खेलना हमेशा सवालों के घेरे में रहा वैसे ही रोहित का भी फॉर्म के नाम पर बाहर रहना सवालों के घेरे में रहा। ये भी कहा जाता है कि कार्यवाहक कप्तान अधिक प्रभावी नहीं होता, इसलिए कप्तान चाहे फार्म में न भी रहे उसे खेलना ही चाहिये।

टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं, सम्मान और दबाव झेलने पड़ते हैं : रोहित

मेलबर्न। सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे 5वें टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभाल रहे हैं। रोहित शर्मा ने टीम में शामिल नए खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया और बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ की। रोहित ने नए खिलाड़ियों के नेतृत्व क्षमता को लेकर कहा कि टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी हर किसी को थाली में परोसकर नहीं मिलती है। इसे कमाना पड़ता है। यह सम्मान और दबाव दोनों के साथ आता है। नए खिलाड़ियों को स्थान के महत्व को पहचानना होगा। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी फॉर्म पर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि खराब फॉर्म और आलोचना का सामना करना खेल का हिस्सा है। कप्तानी को लेकर उन्होंने कहा कि नेतृत्व में हर दिन अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन विचारधारा और मानसिकता को स्थिर रखना जरूरी है। परिणाम भले न आएं लेकिन नेतृत्व के अपने तरीके और दृष्टिकोण को बदलने का कोई कारण नहीं है। बुमराह की कप्तानी को लेकर रोहित ने तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह खेल के प्रति गहरी समझ रखते हैं। वह दूसरों के लिए अपनी गेंदबाजी से उदाहरण पेश करते हैं। मैंने उन्हें 2013 में पहली बार देखा था और तब से उनके खेल और सोच में काफी विकास हुआ है। जिस तरह वह गेंदबाजी करते हैं, वह पूरी दुनिया देख रही है। उनके पास टीम को आगे रखने की बेहतरीन क्षमता है।

न्यूज ब्रीफ

शिवम दुबे के घर आई नन्हीं परी

मुम्बई। क्रिकेटर शिवम दुबे दूसरी बार पापा बने हैं। शिवम की पत्नी अंजुम खान ने एक बेटी को जन्म दिया है।शिवम ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिये सार्वजनिक की है। शिवम ने लिखा की उनके परिवार में एक नए सदस्य का आगमन हुआ है और अब उनका परिवार तीन से बढ़कर चार हो गया है। उनका पहले से ही एक बेटा है। बाएं हाथ के बल्लेबाज शिवम दुबे इस समय विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेल रहे हैं। शिवम ने साल 2021 में अंजुम से शादी की थी। शिवम ने बेटी के नाम का भी खुलासा किया है।उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें वह बेटे को गोद में लिए हुए नजर आ रहे हैं जबकि उनकी पत्नी अंजुम की गोदी में बेटी है। शिवम ने लिखा, ' बेटी हुई है। सभी लोगा मेहविश शिवम दुबे का स्वागत करें।'शिवम एक आक्रामक ऑलरांडर हैं। शिवम और अंजुम को फरवरी 2022 में बेटा हुआ था। शिवम इस समय विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने साल 2019 में टीम इंडिया के लिए टी20 और एकदिवसीय में डेब्यू किया था हालांकि अब तक उन्होंने केवल 4 एकदिवसीय मैच ही खेलें हैं। इस दौरान वह टी20 टीम का लगातार हिस्सा बने रहे. टी20 विश्व कप 2024 में भी वो भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे। वह बेटी के जन्म के कारण ग्रुप स्तर के दो मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे ।

भारतीय सेना में पदस्थ मुरादाबाद के बनवीर सिंह ने युवा चौंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

मुरादाबाद। भारतीय सेना में पदस्थ मुरादाबाद की कांठ तहसील क्षेत्र के गांव शेखूपुरा इंतजामअली खां निवासी फौजी बनवीर सिंह ने नेपाल में हुई दक्षिण एशियाई अंतरराष्ट्रीय युवा चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 2 व 3 जनवरी को नेपाल में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय युवा चैंपियनशिप में फौजी बनवीर सिंह ने डिसकस थ्रो में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने कोच रनदीप सिंह के साथ ही कर्नल सुधीर गुलिया को दिया है। इस प्रतियोगिता में जहां बनवीर सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है तो वहीं हरियाणा के खिलाड़ी ने द्वितीय और नेपाल के खिलाड़ी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

सब जूनियर और कैडेट जूडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद के चार खिलाड़ी चयनित

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी जूडो के अंतरराष्ट्रीय रैफरी संजय गिरि ने रविवार को बताया कि भारतीय जूडो महासंघ के तत्वावधान में 18 जनवरी से 25 जनवरी तक सब जूनियर और कैडेट जूडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद के सब जूनियर खिलाड़ियों मनमीत सिंह व पार्थ कुमार और कैडेट टीम में आदित्य व वंश कुमार का चयन हुआ है। संजय गिरि ने आगे बताया कि सब जूनियर और कैडेट जूडो चैंपियनशिप का आयोजन महाराष्ट्र में किया जा रहा है। इसमें प्रतिभाग करने के लिए यूपी जूडो एसोसिएशन ने रविवार को इंडियन पैरा जूडो एकेडमी में यूपी की सब जूनियर और कैडेट जूडो टीम का चयन किया। टीम में मुरादाबाद के सब जूनियर खिलाड़ियों मनमीत सिंह व पार्थ कुमार और कैडेट टीम में आदित्य व वंश कुमार भाग प्रतिभाग करेंगे।

विराट ने टी शर्ट उठाकर कहा, देखे लो मैंने अंदर कुछ नहीं छुपाया

सिडनी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में अपने खराब फार्म से निशाने पर होने के बाद भी स्थानीय दर्शकों को करारा जवाब देने में पीछे नहीं रहे। विराट ने मैच देखने आए ऑस्ट्रेलिया के समर्थकों को बताया कि आपकी टीम की तरह हम गेंद से छेड़खानी नहीं करते विराट यहां जसप्रीत बुमराह के बाहर होने के कारण कप्तानी संभाल रहे थे। इससे पहले मेलबर्न में युवा सैम कोस्टांस से टकराने पर दर्शकों ने विराट की जमकर हूटिंग की थी जिसका जवाब उन्होंने यहां दिया। विराट ने तीसरे दिन के खेल में ऑस्ट्रेलिया के प्रशंसकों को अपनी टी शर्ट उठाकर पेट खिसका कर दिखाया और इशारों में कहा देखे लो भाई मैंने अंदर कुछ नहीं छुपाया। मेरे पास आपकी टीम के खिलाड़ियों जैसे सैंड पेपर नहीं। इसके बाद उन्होंने गेंद को घिसने का इशारा कर सबको चुप करा दिया। गौरतब है कि साल 2018 में ऑस्ट्रेलियाई टीम के क्रिकेटर गेंद से छेड़छाड़ के मामले में फंसे थे। तब स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरून बेनक्राफ्ट ने बॉल को सैंड पेपर से घिस दिया था।

आप अपने शरीर से नहीं लड़ सकते, सिडनी टेस्ट में हार के बाद निराश बुमराह ने इंजरी पर की बात

सिडनी

सिडनी टेस्ट में भारतीय टीम की हार के साथ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 सीरीज का समापन हो गया। पांच मैचों की सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से अपने नाम किया। इसी के साथ ऑस?ट्रेलिया ने 10 साल बाद बॉर्डर गावस?कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले जसप्रीत बुमराह को बैक स्पाज्म हुआ, जिसके बाद वह दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए मैदान पर नहीं आ सके। अब मैच गंवाने के बाद बुमराह ने अपनी इंजरी और टीम की हार पर बात की।

मैच के बाद बात करते हुए बुमराह ने कहा कि थोड़ा निराशाजनक है, लेकिन कभी-कभी आपको अपने शरीर का सम्मान करना पड़ता है, आप अपने शरीर से नहीं लड़ सकते। निराशाजनक, शायद सीरीज के सबसे स्पाइसी विकेट पर चूक गए। पहली पारी में अपने दूसरे स्पेल के दौरान थोड़ी असहजता महसूस हुई। बातचीत विश्वास के बारे में थी। बाकी गेंदबाजों ने पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन किया। एक गेंदबाज कम होने के कारण, बाकियों को जिम्मेदारी लेनी पड़ी। आज सुबह की बातचीत भी इसी बात पर थी, विश्वास रखने और चरित्र दिखाने के बारे में।बुमराह ने आगे सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा कि बहुत सारे अगर-मगर, पूरी सीरीज कड़ी टक्कर वाली थी। हम आज भी खेल में थे, ऐसा नहीं कि हम इससे बाहर थे, टेस्ट क्रिकेट ऐसे ही चलता है। लंबे समय तक खेल में बने रहना, दबाव बनाना, दबाव को झेलना और स्थिति के हिसाब से खेलना सभी महत्वपूर्ण है। आपको परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना होगा और ये सीख भविष्य में हमारी मदद करेगी।

युवा खिलाड़ियों पर बात करते हुए बुमराह ने कहा कि उन्होंने (युवाओं ने) बहुत अनुभव प्राप्त किया है, वे आगे और मजबूत होते जाएंगे। हमने दिखाया है कि हमारे समूह में बहुत प्रतिभा है। बहुत से युवा खिलाड़ी उत्सुक हैं। वे निराश हैं कि हम जीत नहीं सके, लेकिन वे इस अनुभव से सीख लेंगे। यह एक शानदार श्रृंखला थी, ऑस्ट्रेलिया को बधाई, वे वास्तव में अच्छी तरह से लड़े।

मुकाबले में टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 185 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रन पर समाप्त

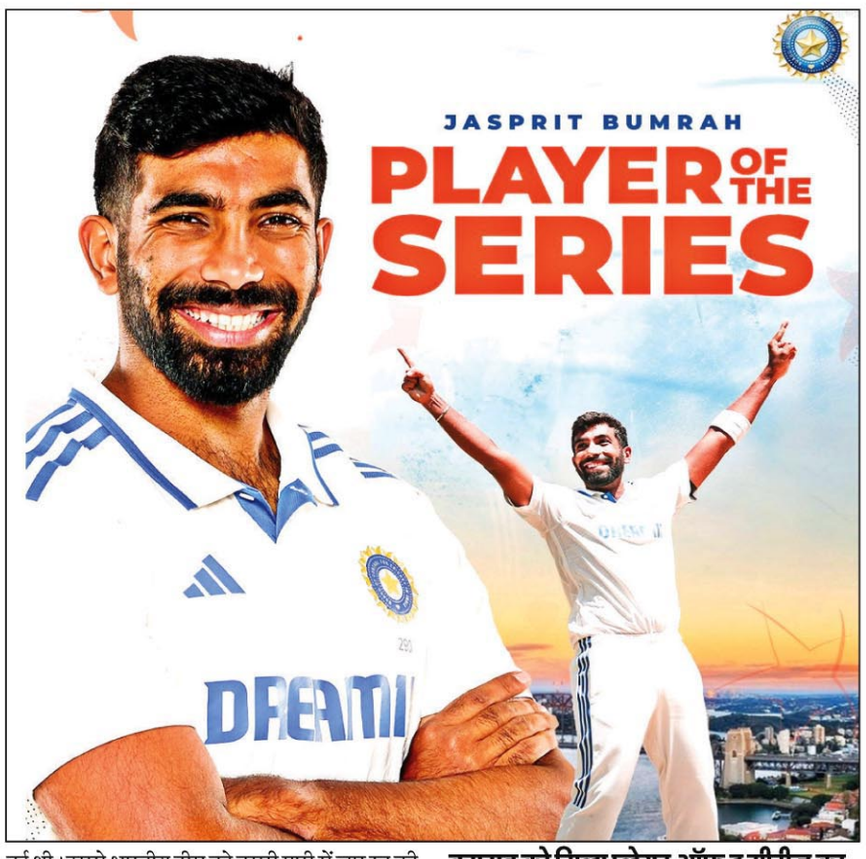

हुई थी। इससे भारतीय टीम को दूसरी पारी में चार रन की बढ़त मिली। फिर भारतीय टीम की दूसरी पारी 157 रन पर सिमट गई और कुल 161 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को 162 रन का लक्ष्य मिला। इसके बाद दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाकर मैच छह विकेट से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

बुमराह को मिला प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड

भारतीय टीम ने भले ही यह सीरीज गंवा दी, लेकिन सीरीज का महत्वपूर्ण अवॉर्ड जसप्रीत बुमराह को मिला। वह सीरीज में गेंदबाजी से शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। बुमराह इस सीरीज में सबसे सफल गेंदबाज रहे।

ऋषभ को पहली पारी में रक्षात्मक खेलते देखकर हैरानी हुई : मैकडोनाल्ड

सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज ऋषभ पंत को पहली पारी में रक्षात्मक अंदाज में खेलते हुए देखकर उन्हें हैरानी हुई थी। मैकडोनाल्ड के अनुसार दूसरी पारी में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भी वह परेशान नहीं हुए थे क्योंकि ये उनका स्वाभाविक अंदाज है। ऋषभ ने पहली पारी में 98 गेंदों में 40 रन बनाए थे। इस बल्लेबाज ने इस पारी के बाद कहा था कि मैच के हालातों को देखते हुए वह आक्रमण करने के लिए नहीं जा सकते थे। इस बल्लेबाज ने हालांकि दूसरी पारी में विपरीत अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मिचेल स्टार्क की लगातार गेंदों पर बड़े छक्के लगाये। उन्होंने स्कॉट बोलैंड और ब्यू वेबस्टर को भी जमकर पीटा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि कि ऋषभ दूसरी पारी की बल्लेबाजी को देखकर कोई हैरानी नहीं हुई पर हम पहली पारी में उनकी बल्लेबाजी से थोड़े हैरान थे। उसके पास गेंदबाजों पर दबाव बनाने की पर्याप्त क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में इस बल्लेबाज को 61 रन पर आउट कर भारतीय टीम पर दबाव बना दिया था। मैकडोनाल्ड ने कहा कि हमने उसके खिलाफ योजना बनायी थी, हमने इस सीरीज के लिए उसके लिए योजना बनायी थी पर हम इस दौरान कई बार अपनी योजनाओं से भटक रहे थे और उसे बाउंड्री लगाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। यह एक ऐसी पारी थी जिसके बारे में आप कहेंगे कि यह उस समय के लिए सही थी। इस दौरे पर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली असफल रहे और नौ पारियों में 8 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर कैच हुए। इसी को देखते हुए ही उन्होंने विराट के ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने को कहा था। विराट इस सीरीज में चार बार स्कॉट बोलैंड का शिकार बने। उन्होंने कहा कि मैं कोहली के खिलाफ योजना को अमल में लाने का पूरा श्रेय गेंदबाजों को दूंगा।

जश्न मनाती हुई न्यूजीलैंड की टीम

वैलींगटन में न्यूजीलैंड की टीम श्रीलुंका के खिलाफ पहले एकदिवीसय में जीत के बाद उत्साहित होकर जश्न मनाती हुई।

ये मेरी या आपकी नहीं बल्कि देश की टीम : गंभीर

सिडनी

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम ऑस्ट्रेलिया ने खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मिली हार पर निराशा जतायी है। मेजबान टीम ने सीरीज 3-1 से जीतकर एक दशक के बाद इस ट्रॉफी पर कब्जा किया है। इसे को लेकर जब कोच गौतम गंभीर से कहा गया कि आपकी टीम हार गयी तो वे बोले कि ये मेरी या आपकी नहीं बल्कि भारतीय टीम है।

गंभीर ने मीडिया से कहा, देखिए ये ना मेरी टीम है और ना आपकी टीम है. ये हमारे देश की टीम है। इस टीम को आगे लेकर जाना ही हमारा एक मात्र लक्ष्य है। भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी ईमानदार हैं और मैं अपने को खुशकिस्मत मानता हूं जो ऐसी टीम के साथ काम कर रहा हूं।

खिलाड़ियों को पता है कि उनके अंदर जीत की कितनी भूख है और इससे टीम को कितना लाभ पहुंचने वाला है। वे भी टीम की भलाई के लिए कम करने हमेशा तैयार रहते हैं। कोच के तौर पर मेरा काम सबके साथ एक जैसा बर्ताव करना है। अगर मैं किसी एक दो खिलाड़ी के साथ अच्छा व्यवहार करता हूं और अन्य के साथ अलग तरह से व्यवहार करता हूं तो यह मेरे काम के साथ न्याय नहीं होगा।

कोच के तौर पर मेरा काम हर एक खिलाड़ी चाहे वो नया हो या सीनियर या

फिर वो जिसने अब तक भारत के लिए नहीं खेला के साथ समाना व्यवहार करना रहेगा। भारतीय टीम सीरीज के पहले मैच को छोड़कर अन्य सभी मैचों में बड़ा स्कोर बनाने में विफल रही। उसके प्रमुख बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी सीरीज में रन नहीं बना पाये जिससे टीम के अन्य बल्लेबाजों पर भी दबाव रहा।

फिर आई युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक की खबरें

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी, कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा, एक बार फिर अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया, जिसके बाद तलाक की अफवाहें और तेज हो गईं। खबरों के मुताबिक, युजवेंद्र चहल ने धनश्री के साथ अपने सभी सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जबकि धनश्री ने चहल को अनफॉलो किया, लेकिन उनके साथ की तस्वीरें अभी भी उनके प्रोफाइल पर मौजूद हैं। चहल और धनश्री के करीबी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों का तलाक लगभग तय है, और इस पर आधिकारिक घोषणा की उम्मीद है। हालांकि, दोनों के बीच अलगाव के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। यह अफवाहें पहले भी 2023 में उठी थीं, जब धनश्री ने अपने इंस्टाग्राम बायो से चहल उपनाम हटा दिया था और चहल ने एक गुप्त स्टोरी में लिखा था, नया जीवन लोड हो रहा है। हालांकि, चहल ने उस समय इन अफवाहों को खारिज करते हुए प्रशंसकों से ऐसी बातें न फैलाने की अपील की थी। धनश्री और युजवेंद्र ने 11 दिसंबर, 2020 को शादी की थी। दोनों की प्रेम कहानी उस समय चर्चा में आई थी, जब लॉकडाउन के दौरान चहल ने डांस सीखने की इच्छा जताई थी, और धनश्री के डांस वीडियो देखकर उनसे संपर्क किया। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने शादी कर ली। अब तलाक की अफवाहें एक बार फिर उनके प्रशंसकों को चौंका रही हैं। सभी को इस जोड़े के आधिकारिक बयान का इंतजार है, जो जल्द ही इस मामले पर स्थिति स्पष्ट कर सकते हैं।

साइम अयूब की टखने की चोट, चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने की आशंका

कराची

पाकिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज साइम अयूब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में टखने की चोट के कारण छह सप्ताह के लिए क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। इस चोट के कारण उन्हें आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने का खतरा हो सकता है। साइम ने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बाउंड्री पर फील्डिंग करते समय अपने दाहिने टखने में चोट लगा ली थी, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस चोट की पुष्टि की और बताया कि साइम का एमआरआई और अन्य परीक्षण किए गए हैं। चिकित्सकों ने उन्हें छह सप्ताह के आराम की सलाह दी है, जिसके कारण वह फरवरी में होने वाली क्रिकेट श्रृंखलाओं में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। यह चोट साइम के लिए काफी दुखदायी साबित हो सकती है, क्योंकि

उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें आगामी टूर्नामेंट्स में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद थी।

पीसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि साइम के दाहिने टखने में फ्रैक्चर पाया गया है, जो ठीक होने में कम से कम छह सप्ताह का समय लेगा। इस चोट के कारण वह आगामी त्रिकोणीय सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे, जिसमें पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड से भिड़ना है। इसके अलावा, वह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट श्रृंखला और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले सकेंगे। साइम अयूब की चोट के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम में कुछ बदलाव हो सकते हैं। टेस्ट टीम में सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक और वनडे टीम में फखर जमां की वापसी हो सकती है। बाएं हाथ के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने करियर की शुरुआत से ही प्रभावित किया है और ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया है। इन दौरों पर उन्होंने तीन शतक भी लगाए थे।

सिडनी पिच पर गावस्कर का तंज, कहा- भारत में ऐसा होता तो हंगामा मच जाता

सिडनी। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे 5वें टेस्ट मैच में पिच को लेकर सवाल उठाए हैं। गावस्कर ने कहा कि इस पिच पर जो हालात हैं, उन्हें आदर्श टेस्ट पिच नहीं कहा जा सकता। उन्होंने चिंता जताई कि इस पिच पर पहले दिन 11 विकेट गिरे और दूसरे दिन 15 विकेट गिर गए, लेकिन इसके बारे में कोई सवाल नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या यह खेल भारत में हो रहा है अगर भारत में एक दिन में 15 विकेट गिरते, तो पूरे क्रिकेट जगत में हंगामा मच जाता। गावस्कर ने कहा, हम हमेशा विदेशी परिस्थितियों में खेलते हैं, लेकिन कभी कोई शिकायत नहीं करते। जब हम भारत में खेलते हैं, तो लोग हमारे पिचों पर सवाल उठाते हैं। क्या आपने कभी भारत के किसी पूर्व क्रिकेटर को पिच की शिकायत करते सुना है हम हारते हैं, तो हारते हैं, लेकिन विदेशों में घरेलू टीमों को हराना बहुत मुश्किल होता है। गावस्कर ने यह भी कहा कि पिच पर इतनी घास थी कि वह बिल्कुल आदर्श टेस्ट मैच पिच नहीं लग रही थी।

सुझाव

सेंधा नमक अपनाएं, चेहरे के गड्ढों को दूर भगाएं

क्या आप भी अपनी त्वचा पर होने वाले कील-मुंहासों के बाद होने वाले गड्डों से परेशान है और इन्हें दूर करने के लिए उपायों की खोज कर रहे हैं तो सॉल्ट स्क्रब आपकी इस समस्या को बहुत आसानी से दूर कर सकता है। जी हां अब आपको खूबसूरत त्वचा पाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे कॉस्मेटिक का सहारा लेने की जरूरत नहीं है।

आप सेंधा नमक स्क्रब की मदद से खूबसूरत त्वचा पा सकते हैं। सेंधा नमक एक बेहतरीन ब्यूटी प्रोडक्ट है। इसके इस्तेमाल से डेड स्किन तो साफ होती है साथ ही ब्लैकहेड्स भी दूर हो जाते हैं और चेहरे के गड्डे भी तेजी से भरता है। आइए जानें त्वचा के दाग-धब्बों को दूर करने के लिए सेंधा नमक का इस्तेमाल कैसे किया जाता है।

सेंधा नमक और ओटमील स्क्रब

नमक और ओटमील का स्क्रब ऑयली त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। इसके लिए आप ओटमील और सेंधा नमक को अच्छी तरह मिला लें और इसमें कुछ बूंदे नींबू के रस और बादाम के तेल की मिक्स कर लें। फिर इस स्क्रब से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। कुछ देर स्क्रब करने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

सेंधा नमक और जैतून के तेल का स्क्रब

सेंधा नमक को अगर आप जैतून के तेल में मिलाकर चेहरे पर लगाते हैं तो इससे आपके चेहरे में निखार आता है। अगर आपकी त्वचा ड्राई है तो सॉल्ट और ऑयल का यह पेस्ट आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि यह आपके चेहरे को नमी प्रदान करता है।

सेंधा नमक और नींबू का स्क्रब

त्वचा के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए सेंधा नमक में कुछ बूंदे नींबू की मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर इससे अपने चेहरे पर स्क्रब करें। हफ्ते में दो बार ऐसा करने से आप मुंहासों, ब्लड हैड्स और व्हाइटहेड्स को आसानी से दूर कर सकते हैं।

सेंधा नमक और शहद का स्क्रब

सेंधा नमक और शहद का स्क्रब त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। शहद टैनिंग को दूर करने का काम करता है और यह त्वचा को नमी भी प्रदान करता है। इस स्क्रब को बनाने के लिए एक कटोरी में सेंधा नमक लेकर उसमें कुछ बूंदें शहद की मिलाएं। अब इसे अच्छी तरह से मिक्स करके चेहरे पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। सूखने के बाद त्वचा को पानी से धो लें। इस उपाय को हफ्ते में दो बार करें।

यौन शोषण से अपने बच्चे को बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

आप अपने बच्चों को कुछ ऐसी बातें बता सकते हैं जो उन्हें मजबूत बनाने के साथ ही उन्हें ये भी बताएंगी कि अगर वे किसी मुसीबत में पड़ जाएं तो उन्हें क्या करना चाहिए.

क्या आपका बच्चा दर्द से कराहता हुआ घर वापस आता है, उसकी आंखों में आंसू हैं और वह चुपचाप घर के कोने में बैठ जाता है? क्या आपका बच्चा घर के बाहर किसी से डरता है? सावधान हो जाइए! शायद आपका बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार है. ऐसा ही कुछ एक चार साल की बच्ची के साथ स्कूल में हुआ है. बच्ची के साथ पढ़ने वाले एक बच्चे ने उसके अंडरवियर में अपनी अंगुली डाली और फिर उसने पेंसिल छीलकर उसे भी उसके अंदर डाल दिया. बच्ची की मां का कहना है कि इससे बच्ची को गहरा घाव हो गया है.

बच्ची के साथ यौन छेड़छाड़

बच्चों का यौन उत्पीड़न भले ही असामान्य लगे, लेकिन ऐसा है नहीं. यह दुर्भाग्यपूर्ण जरूर है, लेकिन असामान्य नहीं है. आप जितना सोच भी नहीं सकते उससे भी ज्यादा मामले ऐसे हैं जो सीधे तौर पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े हुए हैं. यह बहुत दुखद है कि कुछ लोग अपनी काम वासना पर नियंत्रण नहीं कर पाते और बच्चों को अपना शिकार बिना लेते हैं. और इससे बुरी बात क्या हो सकती है कि इस विकृति की कोई उम्र नहीं है. चार साल की वो बच्ची अपने ही क्लासमेट की विकृति का शिकार हुई. जिस चार साल के लड़के ने यह सब किया उसकी उम्र ही क्या है.

इसमें भी जो सबसे खराब बात है वो ये है कि उन डरे हुए बच्चों को तो यह भी नहीं मालूम है कि उनके साथ हो क्या रहा है और उन्हें इसके बारे में किससे बात करनी चाहिए. हो सकता है कि आपका बच्चा जिंदगी के सबसे कड़वे अनुभव से गुजर रहा है और आपको उसक बारे में पता भी नहीं है. यौन उत्पीड़न वो जोंक है जो बच्चों का बचपन उजाड़कर उनका सामना दुनिया के अंधेरे पहलुओं से करा रही है. आप दुनिया की इन अंधेरी गलियों को गायब नहीं कर सकते, लेकिन आप इसके खतरे को कुछ कम जरूर कर सकते हैं. आप अपने बच्चों को कुछ ऐसी बातें बता सकते हैं जो उन्हें मजबूत बनाने के साथ ही उन्हें ये भी बताएंगी कि अगर वे किसी मुसीबत में पड़ जाएं तो उन्हें क्या करना चाहिए. यहां पर हम आपको ऐसी कुछ टिप्स दे रहे हैं जो इस तरह की दरिंदगी से आपके बच्चों की रक्षा करेंगी

बच्चे की दिनचर्या जानें

अपने बच्चे से बातचीत करें. बच्चे को बोलने के लिए प्रोत्साहित करें और उससे पूछें कि उसने दिन भर क्या-क्या किया. उनके साथ बैठें, बातें करें क्योंकि उन्हें कई बार अंदाजा नहीं होता है कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है. वो शायद इतने समझदार न हों कि इन गलत बातों के बारे में समझ सकें लेकिन आप तो समझदार हैं. है न?

सिखाएं प्यार जताने का तरीका

कई बार आप जिस तरह से अपने बच्चे को लाड़ करते हैं वैसे ही यौन हमलावर भी करते हैं. जैसे कि जब आप थोड़ी थकान महसूस करते हैं या परेशान होते हैं तो आप अपने बच्चे से आपको किस और हग करने के लिए कहते हैं. इससे आपका बच्चा यह समझने लगता है कि जब कोई दुखी होता है तो उसे खुश करने के लिए यही किया जाता है. इसी तरह का रवैया हमलावर आपके बच्चे पर भी आजमा सकता है. ऐसे में आपको अपने ढंग से बच्?चों को प्यार जताने का तरीका सिखाना होगा.

शरीर के बारे में बताएं

बच्चों को उनके बॉडी पार्ट्स के बारे में बताएं. अगर ज्यादा डिटेल में नहीं बता सकते तो कम से कम ये जरूर बताएं कि शरीर के कौन से हिस्से बेहद प्राइवेट होते हैं, जिन्हें कोई नहीं छू सकता.

बच्चे आप से बात करें

अपने बच्चों से कहिए कि वो आपके पास आकर बात करें. बच्चों के साथ मजबूत कम्यूनिकेशन बनाना बेहद जरूरी है ताकि वे आपसे बात कर सकें. उन्हें सिखाईये कि वे आपसे बातें छिपाएं नहीं और जानने के बाद आप गुस्सा होने के बजाए खुश होंगे. आप उन्हें भरोसा दिलाइए कि आप उनकी मदद करेंगे और उन्हें सुरक्षा देंगे.

सही-गलत की पहचान

बच्चों को बताइए कि किस तरह का बर्ताव गलत है और उसके बारे में किसी बड़े को जल्द से जल्द बताना चाहिए. हालांकि यौन उत्पीड़न जननांगों के अलावा होंठ, टांगें, गरदन और यहां तक कि बांहों तक ही सीमित नहीं है, लेकिन इनके बारे में बताकर आप शुरुआत तो कर ही सकते हैं. उन्हें बताइए कि किस तरह का टच सही और किस तरह का बर्ताव बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और उसके बारे में जितना जल्दी हो सके आपको बताना है.

सीक्रेट फैक्टर

ज्यादातर यौन हमलावर इसे दो लोगों के बीच का सीक्रेट कहते हैं और इसके बारे में किसी को भी बताने से मना कर देते हैं. आप अपने बच्चों को सिखाइए कि कोई भी बात मम्मी-पापा से नहीं छिपानी चाहिए. उन्हें बताइए कि इस तरह की सीक्रेट बातें छिपाना खतरनाक हो सकता है.

किन लोगों पर भरोसा करें बच्चे

अपने बच्चों को बताइए कि वे किन लोगों पर भरोसा कर सकते हैं और किनसे उन्हें दूर रहना है. लेकिन इससे भी जरूरी उन लोगों का चुनाव करना आपकी जिम्मेदारी है. आपका बच्चा जिस स्कूल में जाता है, जो टीचर आपके बच्चे को देखती है, जो बेबीसिटर आपके बच्चे की देखभाल करता है और यहां तक कि हर वो आदमी जो किसी न किसी रूप में आपके बच्चे से जुड़ा हुआ, उसका चुनाव करते समय बेहद सावधानी बरतें ताकि उस पर आप भरोसा कर सकें..देखा जाए तो हमारे बच्चे कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं, चारों ओर ही दरिंदे हैं. ऐसे समय में जरूरी है कि आप अपने बच्चे के साथ ताकतवर बॉन्ड बनाएं और इन सब का सामना करने के लिए उन्हें मजबूत बनने में उनकी मदद करें. याद रखिए आपके बच्चे का दरिंदा चार साल का क्लासमेट भी हो सकता है.

सुझाव

फोबिया को रोकते हैं शरीर के नैसर्गिक दर्द निवारक

किसी हालात को देखकर या सोचकर डर जाना। उससे बचने की हर संभव कोशिश करना। उन हालात में आते ही हाथ-पैर फूल जाना। फोबिया एक ऐसी समस्या है, जो किसी भी व्यक्ति को हो सकती है। लेकिन, ज्यादातर लोग इसे पहचान नहीं पाते। वे इससे बचने का हर संभव प्रयास करते हैं। आइये जानें क्या है फोबिया और कैसे शरीर के दर्द निवारक ही इससे बचने का उपाय हो सकते हैं।

क्या है फोबिया: फोबिया एक प्रकार का मानसिक रोग है। इसमें व्यक्ति को किसी खास चीज, काम अथवा हालात के प्रति डर उत्पन्न हो जाता है। व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर के बारे में सोचते ही इन्सान की मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर बुरा प्रभाव पड़ने लगता है। जरूरी नहीं कि यह डर वास्तविक हो। कई बार काल्पनिक डर भी काफी भयातीत कर देता है। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

दर्द निवारकों में छुपा इलाज: मानव शरीर की दर्द निवारक प्रणाली में ही फोबिया (किसी चीज का भय) से लड़ने की क्षमता होती है। शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय दल ने यह अध्ययन किया। इन लोगों ने पाया कि लोगों में भय को बढ़ाने वाले कारक की स्थिति शरीर की दर्द निवारक प्रणाली के चलते ही एक सीमा के बाद कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में 30 पुरुषों को शामिल किया। ब्रेन स्कैन से पता चला कि इस दौरान जिन लोगों की ओपायड (उन्माद पैदा करने वाली तंत्रिकाएं) प्रणाली सक्रिय थी, उनके एमाइग्डेला (मस्तिष्क का एक खास हिस्सा) में भय के लक्षण दिखाई दिए। ऐसे लोगों ने जब भी दर्द के संकेत देखे, उनके एमाइग्डेला में तेज प्रतिक्रिया देखी गई।

फोबिया के लक्षण

- फोबिया पीड़ित आम लोगों की ही तरह ही नजर आते हैं। रोग का पता तभी चल पाता है जब व्यक्ति का या तो अपने डर से सामना होता है या फिर वह कोई उसके बारे में बात करता है। फोबिया पीड़ित व्यक्ति अपने डर से बचने का ही प्रयास करते रहते हैं। वे उन हालातों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, जिनसे उन्हें डर लगता है। लेकिन, अनजाने में अपना डर सामने आने पर फोबिया का दौरा पड़ने की आशंका बढ़ जाती है।
- फोबिया का दौरा पड़ने पर तनाव, बेचैनी, बहुत ज्यादा पसीना आना, हालात से दूर भागने की कोशिश करना, सिर में दर्द व भारीपन, अजीब-अजीब सी आवाजें सुनाई देना। फोबिया पीड़ित व्यक्ति की दिल की धड़कन काफी तेज भागने लगती है। उनकी सांसों की रफ्तार तेज हो जाती है और उन्हें चक्कर आने की शिकायत भी हो सकती है। डायरिया, पेट खराब और शरीर में दर्द जैसी परेशानियां भी नजर आ सकती हैं।
- इन हालात में रोगी बहुत ज्यादा पेनिक हो जाता है। ऐसी स्थिति में रोगी के साथ किसी भी तरह की जबरदस्ती उसके लिए खतरनाक हो सकती है। जबरदस्ती करने से रोगी और भी ज्यादा पेनिक हो जाता है और उसका डर कोई भी भयंकर रूप ले सकता है।

मेकअप आपको कहीं बदसूरत तो नहीं बना रहा..

आज हर कोई स्मार्ट और खूबसूरत दिखना चाहता है। इस रेस में सबसे आगे लड़कियां होती है। वह कभी किसी से कम नहीं दिखना चाहती है। जिसके कारण कभी-कभी उनकी खूबसूरती एक चूक के कारण बदसूरती में बदल जाती है। इसमें सबसे अहम चीज होती है वह है फाउंडेशन। अगर आपने ठीक ढंग का फाउंडेशन का इस्तेमाल न किया तो आपको यह भारी पड़ सकता है। स्किन के अनुकूल सही फाउंडेशन का पता लगाने के लिए आपको अंडरटोन के बारे में सही से पता होना चाहिए, ताकि त्वचा की बाहरी रंगत और आंतरिक रंगत में अंतर पता चले। अंडरटोन गर्म, तटस्थ और ठंडा तीन प्रकार के होते हैं।अंडर टोन का पता आप अपनी कलाई की नसों के रंग से कर सकती हैं अगर आपके कलाई की नस की रंगत नीली या बैंगनी है और यह सूरज की रोशनी में लाल पड़ जाती है । तो आपका अंडरटोन ठंडा है। गर्म अंडरटोन वालों का नस हरा व हल्का पीले रंग का होता है और तटस्थ अंडरटोन वालों का नीला, हरा और बैंगनी मिक्स रंग होता है। जानिए किस स्किन के लिए कौन सा फाउंडेशन ठीक होगा।

- **मिनरल फाउंडेशन-** यह फाउंडेशन मुंहासों वाले और सवंदनशील त्वचा के लिए उपयुक्त होता है। यह लंबे समय तक टिका भी रहता है।
- **फाउंडेशन स्टिक-** यह फाउंडेशन दाग-धब्बों वाली त्वचा के लिए सही होता है। इसे ब्रश से या सीधे चेहरे पर लगाकर सही से मिला ले।
- **मूस फाउंडेशन-** यह क्रीमी-बेस फाउंडेशन सामान्य व तैलीय त्वचा के लिए सही है। यह त्वचा में चमक लाता है।
- **लिक्विड फाउंडेशन-** यह विभिन्न प्रकार जैसे मैट और सैटिन आदि में उपलब्ध होते हैं। यह सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त है।
- **क्रीम फाउंडेशन-** यह फाउंडेशन दुल्हन के लिए या दाग-धब्बे, मुंहासो और समास्याग्रस्त त्वचा के लिए उपयुक्त होता है।
- **पाउडर डुअल कॉम्पैक्ट-** रूखी त्वचा वाली महिलाएं ब्रश गीला करके और तैलीय त्वचा वाली महिलाएं इसे पाउडर की तरह लगाएं, इसे लिक्विड फाउंडेशन के ऊपर से बढ़िया लुक पाने के लिए भी लगाया जा सकता है।

रोज पिएं एक कप ब्लैक टी रहेंगे हमेशा फिट

अगर आप अपने बढ़ते वजन से परेशान हैं और वेट लूज़ करना चाहते हैं तो ब्लैक टी आपके लिए बहुत फायदेमंद है। एक स्टडी के मुताबिक ये पाया गया है कि ब्लैक टी ना सिर्फ आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होती है बल्कि ये आपको कई बीमारियों से भी बचाती है। पढ़ें ब्लैक टी के 5 फायदे जो आपको रखेंगे सेहतमंद।

वजन कम करने में सहायता: ज्यातार लोगों के उनका मोटापा या लगातार बढ़ता वजन परेशानी बन जाता है। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट में रोज एक कप ब्लैक टी पीएंगे तो आपके लिए फायदेमंद रहेगा। रोज ब्लैक टी पीने स शरीर में जमा एक्स्ट्रा चर्बी घट जाती है और वजन घटने लगता है।

दिल का रखें ख्याल: अगर आप रोज़ एक कप ब्लैक टी पीएंगे तो आपका दिल भी स्वस्थ रहेगा। ब्लैक टी हार्ट को हेल्दी रखने में मदद करती है। ब्लैक टी में कुछ ऐसे तत्व मौजूद होते हैं जो आपके शरीर से कॉलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम कर देते हैं। ब्लैक टी पीने से बाल भी अच्छे रहते हैं।

पसीने की बदबू से मिलेगा छुटकारा: अगर आप अपनी बॉडी से आने वाली बदबू से परेशान हैं तो ब्लैक टी आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ब्लैक टी आपकी बॉडी में बैक्टेरिया को पनपने नहीं देती जिससे पसीने की बदबू नहीं आती।

तनाव दूर करने में मदद: भागदौड़ भरे दिनचर्या की वजह से लोग आजकल बहुत तनाव में रहते हैं। जिसकी वजह से आपके शरीर में कई बीमारियां पैदा हो जाती हैं। ऐसे में अपनी डाइट में ब्लैक टी शामिल करें जिससे आपका स्ट्रैस लेवल कम होगा। ब्लैक टी पीने से याद्दाशद भी मज़बूत होती है।

कैंसर से लडने में फायदेमंद: ब्लैट टी पीने से कैंसर होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। रोजाना एक कप ब्लैक टी कैंसर से बचाव में मददगार है।

रेसिपी

सौंठ के लड्डू का सेवन

सामग्री

एक तिहाई कप पीसी हुई सोंठ - 1/3 कप (25 ग्राम), तीन कप कप गेहूं का आटा, दो कप गुड़ या फिर चीनी, आधा कप देशी घी, एक कप कद्दूकस किया हुआ नारियल, आधा कप छोटे-छोटे टुकड़ो में गोंद, पीसा हुआ बादाम, बारीक कटे थोडा काजू,या फिर आप अपनी पसंद के कोई भी मेवा ले सकते हैं

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में घी डालकर गर्म करें। फिर गैस का आंच धीमी करके इसमें गोंद डालकर भूने। इसके बाद जब यह भून जाए तो इसे एक प्लेट में निकाल लें। इसके बाद बचे हुए घी में आटा डालकर हल्का ब्राउन होने तक भूनें। फिर इसे जल्द ही एक प्लेट में निकाल लें। अब फिर कढ़ाई में थोड़ा सा घी डालकर गर्म करें और उसमें सोंठ डालकर कम से कम दो मिनट भूने। इसके बाद इसे आटा में डालकर मिक्स कर लें। ठंडी हो चुकी गोंद को बेलन की सहायता से कूट लें। इसके बाद एक कढ़ाई में गुड डालकर थोड़ा पानी डाले और इसे पिघलने दे। जब यह एक तार का बन जाए तो गैस बंद करके इसमें धीरे से आटा, सोंठ,गोंद, बादाम पाउडर, नारियल और पिस्ते डालकर अच्छी तरह से मिला लें। इसके बाद हाथ में थोडा सा पानी लगाकर इस मिश्रण को थोड़ा लेकर लड्डू के आकार में बना लें। हाथ में पानी सिर्फ इतना लगाए कि हाथ न जल पाए। इसके बाद सभी मिश्रण का लड्डू बनाकर एक हवा बंद कंटेनर में रख लें। जिसे आप कई दिनों तक खा सकते है।

कोकोनट कबाब

सामग्री

2-3 गाजर कटी हुई, दो आलू कटे हुए, तीन अंडे, एक चम्मच बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच काली मिर्च पाउडर, एक चम्मच मेथी दाना,एक कप मैदा, एक कप कद्दूकस किया हुआ नारियल,ऑयल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले सभी सब्जियां को एक गहरे पैन में डाले और आवश्कतानुसार पानी डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। उबलने के बाद इसमें हरी मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर और मेथी दाने डालकर अच्छी तरह से मैश करके मिला लें। इसके बाद अपने हाथों में थोड़ा सा तेल लगाकर इस मिश्रण से टिक्कियां बना लें। इसके बाद एक बाउल में अंडा डालकर फैट लें और इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। आपने जो टिक्कियां तैयार की है उन्हें अंडे और मैदे के इस मिश्रण में डिप करें और फिर इन्हें कद्दूकस किए हुए नारियल से लपेटकर तलने के लिए तैयार कर लें। अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गर्म करें। जब गर्म हो जाएं तो आंच धीमी करके इसमें टिक्कियां डाल दें और दोनों साइड से गोल्डन ब्राउन होने तक तलें। आपके कोकोनट कबाब बनकर तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**